आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 58 | उज्जैन, शनिवार 18 जनवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

वन, वन्य-जीव संरक्षण और संवर्धन में अग्रणी है मध्यप्रदेश-मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध मध्यप्रदेश के वन और वन्य-जीव हमारी पहचान हैं। शासन इनके संरक्षण और संवर्धन के लिये संकल्पित है। राज्य सरकार द्वारा वनों के संरक्षण और संवर्धन के लिये की गई ईमानदार एवं प्रभावी पहल का परिणाम है कि वन आवरण में स्थायित्व आने के साथ ही वन्य-प्राणियों के प्रबंधन की दिशा में अनेक नवाचार किये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन विभाग'' ग्रामीण अंचलों में विकास गतिविधियों का संचालन करने वाला एक प्रमुख संगठन है। विगत दो दशकों में वन प्रबंधन में काफी बदलाव आये हैं। वन संसाधनों पर जैविक दबाव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या वृद्धि के साथ वनोपज की आवश्यकता और उपलब्धता में अंतर बढ़ा है। वन क्षेत्रों में अवैध कटाई को कड़ाई से रोका जा रहा है। वनोपज की माँग और आपूर्ति के अंतर को कम करने के लिये विभागीय रोपण के साथ निजी वनीकरण को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन तथा वन्य-जीवों के प्रति जागरूकता लाने के लिये वन महोत्सव, अनुभूति, वन्य-प्राणी और संरक्षण सप्ताह जैसे कार्यक्रमों का आयोजन कर प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख लोगों को जोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बफर-सफर योजना के तहत पर्यटकों के लिये अनेक नई गतिविधियाँ प्रारंभ की गयी हैं। प्रदेश के टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्रों में पर्यटक प्राकृतिक स्थलों, वन और वन्य-प्राणी दर्शन के साथ विभिन्न ईको-पर्यटन गतिविधियों का आनंद ले रहे हैं। ईको-पर्यटन से पर्यटक प्रदेश की ओर आकर्षित होंगे। इससे कोर क्षेत्र पर पर्यटन का दबाव भी कम होगा। डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 15 हजार से अधिक वन समितियाँ गठित की गई हैं। इन समितियों की कार्य-प्रणाली को और अधिक गतिशील बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन प्रबंधन में ग्रामीणों की सहभागिता को अधिक व्यावहारिक और पारदर्शी बनाने तथा संयुक्त वन प्रबंधन प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिये इसे कानूनी आधार देने की व्यवस्था की गई है।

पुणे में भयानक सड़क हादसा; ट्रक ने कार को मारी टक्कर जो बस से जा टकराई, 9 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में नासिक-पुणे हाईवे पर शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। नारायणगांव के पास खड़ी बस से कार के टकरा गई जिससे 9 लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों की ओर से यह जानकारी दी गई। उनका कहना है कि घटना को लेकर और अधिक जानकारी का इंतजार है।

रिपोर्ट के मुताबिक, आज सुबह एक ट्रक के टक्कर मारने के बाद कार सड़क के किनारे खड़ी बस से जा टकराई जिससे इतना बड़ा हादसा हुआ। यह दुर्घटना नारायणगांव के पास सुबह करीब 10 बजे हुई। पुणे ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक पंकज देशमुख ने बताया कि नारायणगांव की ओर जा रही मिनीवैन को एक टेंपो ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे वाहन सड़क के किनारे खड़ी बस से जा टकराया। उस बस में कोई सवार नहीं था। एसपी ने बताया कि मिनीवैन में सवार सभी 9 लोगों की मौत हो गई।

दूसरी ओर, सिक्किम के ग्यालशिंग जिले में एक कार के खाई में गिर गई जिससे उसमें सवार 5 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बताया गया कि गुरुवार रात पांच लोगों को लेकर जा रही कार रटोमेटी के पास पहाड़ी से लुढ़क कर 500 फुट गहरी खाई में जा गिरी।

रूस के लिए लड़ने वाले 16 भारतीय लापता, 12 की हो गई मौत; विदेश मंत्रालय ने क्या-क्या बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय ने बताया कि यूक्रेन के खिलाफ रूस के लिए लड़ते हुए कम से कम 12 भारतीयों की मौत हो गई है। वहीं 16 भारतीय लापता हैं। रूस की सेना में जबरन भर्ती और फिर उनकी मौत की खबरों के बाद विदेश मंत्रालय ने सख्ती दिखाई है और रूस से कहा है कि सभी भारतीयों को तत्काल सेना से मुक्त कर दिया जाए। बीते दिनों केरल के रहने वाले एक शख्स की यूक्रेन के मोर्चे पर मौत हो गई थी। वहीं एक भारतीय बुरी तरह घायल हो गया था। बताया गया कि वह इलेक्ट्रीशन का काम करने के लिए रूस गया था लेकिन जबरन उसे सेना में भर्ती कर दिया गया और फिर यूक्रेन के मोर्चे पर लड़ने के लिए भेज दिया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जैसवाल ने शुक्रवार को बताया, जानकारी के मुताबिक रूस की सेना में 126 भारतीय थे जिनमें से 96 लोग भारत लौट चुके हैं। उन्हें रूस की सेना से मुक्त किया जा चुका है। अभी 18 भारतीय सैनिक रूस की सेना में हैं और 16 के बारे में जानकारी नहीं मिल रही है। जैसवाल ने कहा कि जो 16 भारतीय लापता हैं उनका पता लगाने को भी कहा गया है।

सीमा पर अपराधों को रोकने के लिए कर रहे हैं बाड़बंदी, बांग्लादेश को भारत की फिर दो टूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच सीमा सुरक्षा को लेकर तनाव बढ़ गया है। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के शुकदेवपुर गांव में भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और बांग्लादेश की बॉर्डर गार्ड (बीजीबी) के बीच हाल ही में विवाद देखने को मिला। यह विवाद भारत द्वारा सीमा पर बाड़ लगाने के प्रयासों को लेकर हुआ है। बांग्लादेश ने आरोप लगाया है कि भारत द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन करते हुए भारत-बांग्लादेश सीमा पर पांच स्थानों पर बाड़ लगाने की कोशिश कर रहा है। इस मुद्दे पर एक बार फिर से विदेश मंत्रालय ने भारत का रुख स्पष्ट किया है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जयसवाल ने शुक्रवार को कहा, हमने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है। हमने बांग्लादेश के कार्यवाहक उप उच्चायुक्त को तलब किया और सीमा पर बाड़ लगाने के बारे में अपनी बात रखी। हम बांग्लादेश के साथ अपराध-मुक्त सीमा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने आगे बताया कि तस्करी, मानव व्यापार, और अन्य अपराधों को रोकने के लिए बाड़बंदी, सीमा पर लाइटिंग, तकनीकी उपकरणों की स्थापना, और मवेशी बाड़ जैसे उपाय किए जा रहे हैं।

भारत-बांग्लादेश सीमा की लंबाई 4,096 किलोमीटर है। इस पर लंबे समय से विवाद रहा है। हाल ही में भारत ने सीमा पर पांच स्थानों पर बाड़ लगाने की योजना बनाई, जिसका बांग्लादेश ने कड़ा विरोध किया।

पूर्व राष्ट्रपति पर ऐसा क्या बोल गए मोहन भागवत? भड़क गए ईसाई धर्मगुरु

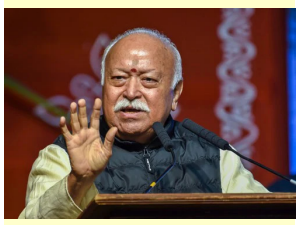

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी RSS प्रमुख मोहन भागवत की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। बीते दिनों मोहन भागवत की आजादी को लेकर की गई टिप्पणी को लेकर बरपे हंगामे के बाद अब उनके एक और बयान पर विवाद छिड़ गया है। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी को लेकर एक दावा दिया है जिससे ईसाइयों के धर्मगुरु भड़क गए हैं। कैथोलिक बिशप कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया ने गुरुवार को मोहन भागवत के एक बयान की कड़ी निंदा की है जिसमें उन्होंने दावा किया है कि प्रणब मुखर्जी ने राष्ट्रपति रहते हुए कहा था कि अगर आदिवासियों की 'घर वापसी' नहीं हुई तो वे 'राष्ट्र-विरोधी' हो जाएंगे।एक बयान जारी कर कैथोलिक बिशपों के संगठन यानी CBCI ने कुछ रिपोर्टों का हवाला दिया। इन रिपोर्ट्स में कहा गया था कि मोहन भागवत ने सोमवार को एक कार्यक्रम में दावा किया था कि प्रणव मुखर्जी ने राष्ट्रपति रहते हुए 'घर वापसी' की तारीफ की थी और उन्होंने कहा था कि अगर संघ द्वारा धर्म परिवर्तन पर काम नहीं किया गया होता, तो आदिवासियों का एक गुट राष्ट्र-विरोधी हो जाता।

CBIC ने इस तरह की रिपोर्ट पर हैरानी जताई है। संगठन ने कहा, भारत के पूर्व राष्ट्रपति के नाम से गढ़ी गई निजी बातचीत और संदिग्ध विश्वसनीयता वाले संगठन के निहित स्वार्थ की वजह से राष्ट्रपति के मरने के बाद इसका प्रकाशन राष्ट्रीय महत्व का गंभीर मुद्दा है।

कोल्डप्ले कॉन्सर्ट का क्रेज, रेलवे चलाएगा स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोल्डप्ले कॉन्सर्ट का इंतजार कर रही जनता को भारतीय रेलवे बड़ी खुशखबरी देने वाला है। खबर है कि जल्द ही रेलवे कॉन्सर्ट के लिए स्पेशल ट्रेन का ऐलान करने वाला है। आयोजन गुजरात स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होना है। खबर है कि इन ट्रेनों को विंटर स्पेशल कहा जाएगा। खास बात है कि कॉन्सर्ट अपने टिकटों की कीमतों को लेकर भी खासी चर्चा में रहा था। कोल्डप्ले के फैन भारत में भी बड़ी संख्या में हैं।

ट्रेन की टाइमिंग- टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार, दो स्पेशल ट्रेन मुंबई और अहमदाबाद के बीच 25 और 26 जनवरी को चलेंगी।

ट्रंप की ताजपोशी से पहले भारत को तोहफा, परमाणु प्रतिबंध हटने से क्या होगा फायदा

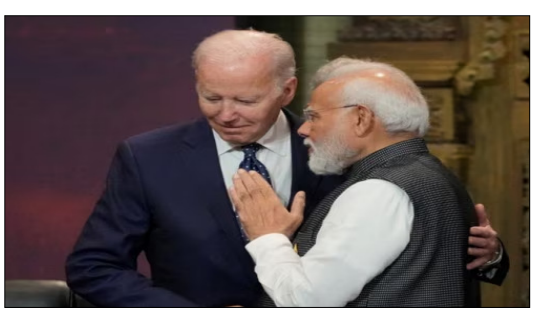

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका द्वारा भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बार्क) सहित तीन भारतीय परमाणु संस्थाओं से शीतयुद्ध काल के प्रतिबंध हटाए जाने का स्वागत करते हुए विशेषज्ञों ने गुरुवार को कहा कि इससे महत्वपूर्ण क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा और देश को नयी प्रौद्योगिकियों तक पहुंच मिलेगी। हालांकि, परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के पूर्व सचिव अनिल काकोदकर ने कहा कि किसी को भी घटनाक्रम से बहुत उत्साहित नहीं होना चाहिए क्योंकि यह केवल समय ही बताएगा कि प्रतिबंध हटने से भारतीय परमाणु ऊर्जा क्षेत्र और अनुसंधान को कितना लाभ होगा।

परमाणु क्षेत्र में अपने दशकों लंबे करियर के दौरान बार्क निदेशक, परमाणु ऊर्जा आयोग (एईसी) के अध्यक्ष और डीएई सचिव के रूप में कार्य कर चुके काकोदकर ने कहा कि प्रतिबंधों को हटाने का काम बहुत पहले ही हो जाना चाहिए था। जब 2008 में ऐतिहासिक भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे, तब 81 वर्षीय वैज्ञानिक एईसी के अध्यक्ष और डीएई सचिव थे। काकोदकर ने से कहा, ''इससे (प्रतिबंध हटाने से) सहयोग (परमाणु क्षेत्र में) में मदद मिलेगा। अब सहयोगात्मक पहल शुरू होने और फिर इनके कायम रहने की बेहतर संभावनाएं हैं।''

बाइडन प्रशासन ने बुधवार को तीन भारतीय संस्थाओं- बार्क, इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड (आईआरईएल) और इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (आईजीसीएआर) से प्रतिबंध हटाने की घोषणा की। यह निर्णय 20 जनवरी को होने वाले अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथग्रहण से कुछ दिन पहले आया है। बार्क और आईजीसएआर परमाणु ऊर्जा विभाग के प्रमुख अनुसंधान संस्थान हैं, जबकि आईआरईएल इसके अंतर्गत एक सार्वजनिक उपक्रम है।

अमेरिका के वाणिज्य विभाग के ब्यूरो ऑफ इंडस्ट्री एंड सिक्योरिटी (बीआईएस) ने कहा कि इन भारतीय संस्थाओं पर शीतयुद्ध के दौरान लगाए गए प्रतिबंध हटाए जाने से साझा ऊर्जा सुरक्षा आवश्यकताओं और लक्ष्यों की दिशा में संयुक्त अनुसंधान एवं विकास, विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग सहित उन्नत ऊर्जा सहयोग में बाधाओं को कम करके अमेरिकी विदेश नीति के उद्देश्यों को समर्थन मिलेगा।यह कदम ऐसे समय में आया है जब चीन दुर्लभ पृथ्वी तत्व के क्षेत्र में अपना विस्तार कर रहा है।

एच-1बी वीजा में आज से बड़े बदलाव, क्या भारतीयों को इससे होगा फायदा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका आज से एच-1बी वीजा कार्यक्रम में महत्वपूर्ण बदलाव कर रहा है। एच-1बी वीजा दुनियाभर के कुशल पेशेवरों को अमेरिका में रहने और काम करने की सुविधा देता है। इससे भारतीय टेक प्रोफेशनल्स को बड़ा फायदा होगा।

भारतीय पेशेवरों को इस एच-1बी वीजा से बहुत फायदा मिलता है और इसकी वजह से ही लाखों भारतीय अमेरिका में काम कर रहे हैं।

एच-1बी वीजा कार्यक्रम, जो वैश्विक प्रतिभा को आकर्षित करने में सहायक रहा है। अपने ढांचे को आधुनिक बनाने और मौजूदा मुद्दों को संबोधित करने के लिए डिजाइन किए गए इसके फ्रेमवर्क 2023 में एच-1बी वीजा धारकों में 70 प्रतिशत से अधिक भारतीय पेशेवर होंगे, इन बदलावों से उन्हें काफी फायदा हो सकता है।

भारतीय को होगा फायदा- एच-1बी वीजा का संचालन यूनाइटेड स्टेट्स सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज की तरफ से किया जाता है।

साल 2023 में अमेरिका ने जितने भी एच-1बी वीजा जारी किए थे, उनका लाभ पाने वाले 70 प्रतिशत पेशेवर भारतीय ही थे।

माना जा रहा है कि नए बदलावों से भारतीयों को फायदा मिल सकता है।

एच-1बी वीजा नियमों में होंगे ये बदलाव

निष्पक्ष लॉटरी प्रोसेस- सख्त उपायों से संगठनों की तरफ से एक से अधिक बड़े पैमाने पर आवेदन जमा करने पर रोक लगेगी, जिससे अधिक न्यायसंगत प्रणाली सुनिश्चित होगी।

एफ-1 वीजा वाले छात्रों को एच-1बी स्थिति में जाने पर कम चुनौतियों का अनुभव होगा।

जो छात्र अमेरिका में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं और अमेरिका में काम करना चाहते हैं, उनके एफ-1 वीजा को एच-1बी वीजा में बदलने की प्रक्रिया को आसान किया गया है।

विशेषज्ञ पेशे में बदलाव- नए नियमों के तहत विशेषज्ञ पेशे में बदलाव किए गए हैं। इनके तहत पात्र पदों को भरने के लिए स्नातक डिग्री की जरूरी होगी, लेकिन कुछ मामलों में इसमें छूट भी दी जा सकती है और अगर उनकी योग्यता नौकरी से संबंधित है तो बिना विशेषज्ञ डिग्री भी उन्हें प्राथमिकता दी जा सकती है।

यकीनन इन बदलावों का भारतीय पेशेवरों पर भी असर पड़ेगा। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा अमेरिका की आव्रजन नीति में यह आखिरी सुधार है क्योंकि 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद की शपथ लेने जा रहे हैं।

क्या है अल कादिर ट्रस्ट केस? जिसमें इमरान खान और पत्नी बुशरा को हुई जेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की एक अदालत ने पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान को तगड़ा झटका दिया है। भूमि भ्रष्टाचार के एक मामले में इमरान खान को 14 साल की सजा सुना दी गई है। यह मामला अल-कादिर ट्रस्ट के 190 मिलियन पाउंड के भ्रष्टाचार से जुड़ा है। वहीं इमरान की पत्नी बुशरा बीबी को भी 7 साल की सजा सुनाई गई है।

ये पूरा विवाद अल कादिर ट्रस्ट यूनिवर्सिटी से जुड़ा है। इमरान खान, उनकी पत्नी बुशरा बीबी और उनके करीबी सहयोगी जुल्फिकार बुखारी और बाबर अवान ने अल-कादिर प्रोजेक्ट ट्रस्ट का गठन किया था, जिसका उद्देश्य पंजाब के झेलम जिले की सोहावा तहसील में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए अल-कादिर यूनिवर्सिटी की स्थापना करना था।

क्या है अल-कादिर ट्रस्ट केस- डॉन की रिपोर्ट के अनुसार,यह मामला बह्रिया टाउन से जुड़ी जमीन और पैसे के लेन-देन से जुड़ा है, जिसमें इमरान खान पर भ्रष्टाचार का आरोप है। यह इमरान खान के पीएम कार्यकाल के दौरान हुआ था।

इमरान खान और बुशरा बीबी पर आरोप लगा था कि उन्होंने बह्रिया टाउन लिमिटेड से अरबों रुपये और सैकड़ों कनाल जमीन हासिल की। अदालत ने इन आरोपों को ठीक पाते हुए इमरान और बुशरा को दोषी ठहराया।

एनएबी (नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो) की तरफ से दायर संदर्भ में आरोप लगाया गया कि इमरान जो फिलहाल जेल में है ने बहरिया टाउन, कराची भूमि के भुगतान के लिए खाते में पाकिस्तान राज्य के लिए धन के अवैध धन ट्रांसफ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यह भी दावा किया गया कि जानकारी को सही ठहराने और प्रदान करने के लिए कई अवसर दिए जाने के बावजूद, आरोपी ने जानबूझकर, गलत इरादे से, किसी न किसी बहाने से जानकारी देने से इनकार कर दिया।

प्रॉपर्टी टाइकून मलिक रियाज हुसैन और उनके बेटे अहमद अली रियाज, मिर्जा शहजाद अकबर और जुल्फी बुखारी भी इस संदर्भ में संदिग्धों में से हैं, लेकिन जांच और उसके बाद की अदालती कार्यवाही में शामिल होने के बजाय, वे फरार हो गए और बाद में उन्हें घोषित अपराधी (पीओ) घोषित कर दिया गया।

पोलैंड के बाद रूस के खौफ में एक और बाल्टिक देश, रक्षा खर्च दोगुना करने का फैसला

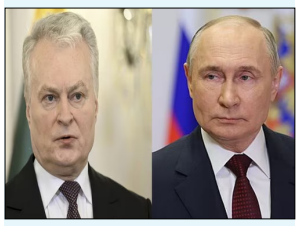

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले तीन साल से रूस और यूक्रेन युद्ध में उलझे हुए हैं और दोनों तरफ जान-माल की बर्बादी हो रही है। रूस के पड़ोसी देश भी इस युद्ध का खामियाजा भुगत रहे हैं। कुछ तो दिन रात इसी डर और साए में जी रहे हैं कि रूस कभी भी उस पर हमला कर सकता है। पोलैंड के बाद बाल्टिक देशों और नाटो सदस्य लिथुआनिया भी इसी दौर से गुजर रहा है। उसे रूसी हमले का खतरा सता रहा है। तभी तो वहां के राष्ट्रपति गीतानास नौसेदा ने अपना रक्षा खर्च दोगुना करने और कुल जीडीपी का 5 से 6 फीसदी खर्च करने का फैसला किया है।

एपी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, लिथुआनिया के राष्ट्रपति गीतानास नौसेदा ने शुक्रवार को कहा कि क्षेत्र में रूसी आक्रमण के खतरे को ध्यान में रखते हुए उनके देश ने वर्ष 2026 तक रक्षा पर अपने खर्च को समग्र राष्ट्रीय आर्थिक उत्पादन के 5 से 6त्न के बीच बढ़ाने का फैसला किया है। रूस की सीमा से सटा यह बाल्टिक देश फिलहाल अपनी जीडीपी का कुल 3% से थोड़ा ज्यादा रक्षा पर खर्च करता है।

चीन ने लॉन्च किया पाकिस्तान का सैटेलाइट, धरती की करेगा निगरानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने जिउक्वान सैटेलाइट सेंटर से एक पाकिस्तानी उपग्रह को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में लान्च किया। पीआरएससी-ईओ1 नामक उपग्रह को दोपहर 12:07 बजे लॉन्च किया गया। इसे लान्ग मार्च-2डी राकेट की तरफ से कक्षा में सफलतापूर्वक भेजा गया।

इलेक्ट्रो-आप्टिकल (ईओ1) उपग्रह उन्नत इमेजिंग उपग्रह है, जिसे पृथ्वी की उच्च-रिजाल्यूशन आप्टिकल तस्वीरें लेने के लिए विकसित किया गया है। राकेट अपने साथ दो अन्य उपग्रह तियानलू-1 और लैंटन-1 भी ले गया। इस प्रक्षेपण ने लॉन्ग मार्च कैरियर राकेट श्रृंखला से जुड़े 556वें उड़ान मिशन को चिह्नित किया।

पिछले साल चीन ने लॉन्च किया था मल्टी-मिशन संचार

पिछले साल चीन ने पाकिस्तान के लिए एक मल्टी-मिशन संचार उपग्रह लॉन्च किया था। 2018 में चीन ने पाकिस्तान के दो उपग्रहों को कक्षा में भेजा।

जाते-जाते अमेरिका को ही चेता गए बाइडन, बोले- वो बेहद खतरनाक, लोकतंत्र मिटा देंगे...

नई दिल्ली (एजेंसी)। निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को सत्ता संभालने वाले हैं। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपना विदाई भाषण दिया। इसमें उन्होंने कई मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिका में कुलीनतंत्र आकार ले रहा है।

दौलतमंदों के पास सत्ता का केंद्रीकरण हो रहा- बाइडन ने आगे कहा कि कुछ दौलतमंदों के पास सत्ता का केंद्रीकरण हो रहा है, जो लोकतंत्र के लिए खतरा है।उन्होंने संविधान में संशोधन पर भी जोर दिया। साथ ही कहा कि कोई भी राष्ट्रपति आपराधिक दायित्व से मुक्त नहीं है। उनका इशारा ट्रंप की ओर था।

एलन मस्क को लेकर भी चेताया- ट्रंप के कार्यकाल में उद्यमी एलन मस्क सहित अन्य की भूमिका को लेकर भी बाइडन ने चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि कुछ दौलतमंदों के हाथों में सत्ता का केंद्रीकरण बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। यदि इन्हें अनियंत्रित छोड़ा गया तो खतरनाक परिणाम होंगे। शक्तियों के पृथक्करण, नियंत्रण और संतुलन की प्रणाली एकदम सटीक नहीं हो सकती, लेकिन इसने लगभग 250 वर्षों तक हमारे लोकतंत्र को बनाए रखा है।

बाइडन ने मार्क जुकरबर्ग की हालिया घोषणा का संदर्भ देते हुए चेतावनी दी कि अमेरिकियों को गलत सूचना और दुष्प्रचार के ढेर के नीचे दबाया जा रहा है, जिससे सत्ता का दुरुपयोग हो रहा है। जुकरबर्ग ने कहा था कि उनकी कंपनी मेटा फेसबुक जैसे अपने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर फैक्ट चेक बंद कर देगी।

आसमान में फटा स्पेसएक्स का रॉकेट, हवाई यातायात बाधित; मस्क बोले- मनोरंजन की पूरी गारंटी!

नई दिल्ली (एजेंसी)। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का नया स्टारशिप प्रोटोटाइप गुरुवार को लॉन्च होने के कुछ मिनटों बाद अंतरिक्ष में फेल हो गया, जिससे मैक्सिको की खाड़ी के ऊपर से गुजरने वाले विमानों को अपनी दिशा बदलनी पड़ी। इस घटना ने एलन मस्क के प्रमुख रॉकेट प्रोग्राम को झटका दिया। स्पेसएक्स मिशन कंट्रोल ने बताया कि स्टारशिप ने टेक्सास स्थित साउथ टेक्सास लॉन्च फैसिलिटी से शाम 5:38 बजे (स्थानीय समयानुसार) उड़ान भरी, लेकिन आठ मिनट बाद उससे संपर्क टूट गया।

हैती की राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस के ऊपर आकाश में नारंगी रोशनी की चमक और धुएं की लकीरें बनती हुई देखी गईं। यह दृश्य रॉयटर्स के वीडियो में कैद हुआ। स्पेसएक्स के कम्युनिकेशन मैनेजर डैन हूट ने कहा, शिप से सभी कम्युनिकेशन टूट गए हैं, यह बताता है कि ऊपरी स्टेज में कोई समस्या हुई है। इसके कुछ मिनटों बाद पुष्टि की गई कि शिप बीच आसमान में ही नष्ट हो गया।

मार्च 2023 के बाद यह पहली बार है जब स्टारशिप का ऊपरी स्टेज फेल हुआ है। उस समय यह भारतीय महासागर में पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते समय दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। हालांकि, स्पेसएक्स की इस असफलता ने पहली बार एयर ट्रैफिक को बड़े पैमाने पर प्रभावित किया। मियामी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कुछ फ्लाइट्स को रोक दिया गया। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटरडार24 के आंकड़ों के अनुसार, कम से कम 20 कॉमर्शियल फ्लाइट्स को अन्य हवाई अड्डों की ओर मोड़ना पड़ा या अपनी दिशा बदलनी पड़ी।

ब्रह्मोस की गर्जना से दहलेगा चीन, फिलीपींस के बाद एक और पड़ोसी की बढ़ी दिलचस्पी; करना चाहता है डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में निर्मित ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की ताकत से लबरेज फिलीपींस के बाद अब इंडोनेशिया भी इस मिसाइल को हासिल करने की तैयारी में है। अप्रैल में फिलीपींस को पहली खेप मिलने के बाद, अब इंडोनेशिया जल्द ही 450 मिलियन डॉलर की डील पर हस्ताक्षर करने वाला है। यह डील भारत की सबसे बड़ी रक्षा निर्यात समझौतों में से एक होगी।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रह्मोस मिसाइल की बढ़ती मांग के पीछे चीन की आक्रामक सैन्य नीति और दक्षिण चीन सागर में उसकी विस्तारवादी हरकतें मानी जा रही हैं। चीन के नाइन-डैश लाइन वाले विवादित दावे और उसकी बढ़ती सैन्य गतिविधियों ने आसपास के देशों में सुरक्षा की चिंता बढ़ा दी है। इस क्षेत्र के देश जैसे फिलीपींस, वियतनाम और मलेशिया, ब्रह्मोस मिसाइल को अपनी सुरक्षा का मजबूत आधार मान रहे हैं।

फिलीपींस ने हाल ही में तटीय बैटरी संस्करण की ब्रह्मोस मिसाइल प्राप्त की है, अब अपनी तटरेखा से चीन के खतरे को 300 किलोमीटर दूर रखने में सक्षम है। विशेषज्ञों का मानना है कि ब्रह्मोस की सटीकता और गति इसे दक्षिण चीन सागर में चीन की नौसैनिक और जमीन से जुड़ी धमकियों से निपटने का प्रभावी उपकरण बनाती है।

महाकुंभ के आईआईटी वाले बाबा ने की थी ISI के लिए जासूसी? वायरल दावे का क्या सच

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में रोजाना लाखों-करोड़ों भक्त शामिल हो रहे हैं। मान्यता है कि संगम में डुबकी लगाने से लोगों को पापों से मुक्ति मिल जाती है। डेढ़ महीने तक चलने वाले महाकुंभ में इस बार बड़ी संख्या में साधु-संत भी पहुंचे हैं, जिसमें से कई खूब वायरल हो रहे हैं। आईआईटी मुंबई से पढ़े अभय सिंह भी बाबा के रूप में दिख रहे हैं और वे महाकुंभ में चर्चा का विषय बने हुए हैं। सोशल मीडिया पर भी उनके वीडियोज को लाखों करोड़ों व्यूज आ रहे हैं। कई लोग जहां उनकी प्रशंसा कर रहे हैं तो कुछ ऐसे भी हैं, जोकि उनके विरोध पर उतर आए हैं। कुछ पोस्ट्स वायरल हो रही हैं, जिसमें दावा किया गया है कि महाकुंभ के वायरल बाबा अभय सिंह असल में जासूसी के आरोप में दोषी पूर्व ब्रह्मोस इंजीनियर हैं, जो भागकर महाकुंभ पहुंचे हैं।

अभय सिंह पर क्या हो रहा है दावा- फेसबुक और एक्स पर कुछ पोस्ट्स लिखे गए, जिसमें कहा गया कि आईआईटी वाले बाबा का दरअसल वास्तविक नाम निशांत अग्रवाल है और वह आईआईटी रोपड़ के छात्र रहे हैं। बाद में वह ब्रह्मोस में इंजीनियर बने, लेकिन उसके बाद वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के जासूस के तौर पर पकड़े गए। बाद में उन्हें दोषी ठहराया गया और उम्रकैद की सजा हुई। इस दावे के साथ ही इंजीनियर निशांत अग्रवाल को हुई उम्रकैद से जुड़ी विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स के लिंक भी शेयर किए गए। कई लोगों ने यह सच भी मान लिया कि महाकुंभ में जो आईआईटी वाले बाबा के वीडियोज वायरल हो रहे हैं, वह निशांत अग्रवाल ही हैं, जिन्हें जासूसी के मामले में दोषी ठहराया गया है। हालांकि, इसकी सच्चाई इसके बिल्कुल उलट है। सोशल मीडिया पर आईआईटी मुंबई के अभय सिंह (महाकुंभ वाले बाबा) और आईआईटी रोपड़ से पढ़े और दोषी ठहराए गए निशांत अग्रवाल को एक ही बताया जा रहा है। निशांत की पुरानी तस्वीर भी शेयर की जा रही है और कहा जा रहा है कि यह आईआईटी बाबा की पुरानी तस्वीर है।

वैष्णो देवी जाने वाले यात्री ध्यान दें; 3 वंदे भारत ट्रेनों के शेड्यूल में बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने अपने यात्रियों के लिए अहम अपडेट जारी किया है। इसमें बताया गया कि 3 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के शेड्यूल में बदलाव हुआ है। इनमें नई ट्रेन संख्या 22439 नई दिल्ली से श्री माता वैष्णो देवी कटरा तक जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 22477 नई दिल्ली से श्री माता वैष्णो देवी कटरा और ट्रेन संख्या 22478 श्री माता वैष्णो देवी कटरा से नई दिल्ली तक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। मालूम हो कि इन सेमी-हाई-स्पीड ट्रेनों संचालन और रखरखाव उत्तर रेलवे की ओर से किया जाता है। यात्रा में आरामदायक ये ट्रेनों लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हुई हैं। इससे यात्रा में समय भी काफी कम लगता है। इस समय पूरे देश में 136 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें भर्राटा भर रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, नई दिल्ली से श्री माता वैष्णो देवी कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 22439) अब दोपहर 02:05 बजे के बजाय 02:15 बजे पहुंचेगी। यहां इस बात का ध्यान रखें कि नया शेड्यूल केवल 20 जनवरी से लागू होगा। पहुंचने के समय में बदलाव के बावजूद ट्रेन नई दिल्ली से सुबह 6 बजे ही रवाना होगी और 8 घंटे व 5 मिनट में दूरी तय कर लेगी।

नहीं तो हमें ही कुछ करना होगा, तमिलनाडु में सरकार-गवर्नर की अनबन पर सुप्रीम कोर्ट ने चेताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक और राज्यपाल आरएन रवि को महीनों से चल रही अनबन को जल्द से जल्द सुलझाने की चेतावनी दी है। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि दोनों पक्षों को इस पर जल्दी ही समाधान निकालना होगा नहीं तो कोर्ट को इसमें हस्तक्षेप करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को स्टेट यूनिवर्सिटीज में कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद पर भी जल्द कोई सहमति बनाने का निर्देश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस एसबी पारदीवाला की अगुवाई वाली पीठ ने शुक्रवार को कहा, इस मामले की अगली तारीख यानी अगली सुनवाई तक अगर यह हल हो जाता है, तो ठीक है। नहीं तो हम इसे हल कर देंगे। गौरतलब है कि तमिलनाडु में राज्यपाल ने उन विधेयकों पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिए हैं जिससे राज्य में गवर्नर की शक्तियां कथित तौर पर कम हो जाएंगी। इसे लेकर राज्य सरकार ने आर एन रवि पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

पिछले साल राज्यपाल रवि ने तमिलनाडु ने राज्य के कुछ विश्वविद्यालय के कुलपतियों के नाम तय करने के लिए कमिटी बनाई थी। राज्य सरकार ने इसे अवैध बताते हुए अदालत का रुख किया था। इससे पहले डीएमके ने कोर्ट का रुख कर राज्यपाल को कई विधेयकों को मंजूरी देने के निर्देश देने की मांग की थी।

CJI संजीव खन्ना ने SC में किया एक और बदलाव, नई कमेटी में जस्टिस नागरत्ना और बांसुरी स्वराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना ने करीब दो महीने के अपने कार्यकाल में सुप्रीम कोर्ट में एक और बदलाव किया है। उन्होंने शीर्ष अदालत में जेंडर सेंसिटाइजेशन एंड इंटरनल कंप्लेंट्स कमेटी का पुनर्गठन किया है। 11 सदस्यों वाली इस समिति में जस्टिस बी वी नागरत्ना को अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्रार की ओएसडी सुजाता सिंह इसके सदस्य सचिव बनाई गई हैं।

इस पैनल में जस्टिस नोंगमईकापम कोटिस्वर सिंह और वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी, लिज़ मैथ्यू और बांसुरी स्वराज को सदस्य बनाया गया है। इनके अलावा कमेटी में अधिवक्ता नीना गुप्ता, सौम्यजीत पानी और साक्षी बंगा के अलावा मधु चौहान को भी शामिल किया गया है, जो सुप्रीम कोर्ट बार क्लर्क्स एसोसिएशन की प्रतिनिधि हैं। कमेटी में डॉ. लेनी चौधरी, कार्यकारी निदेशक, यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो सेंटर इन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को भी सदस्य बनाया गया है। उन्हें भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा नामित किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार (कोर्ट एंड बिल्डिंग) के हस्ताक्षर से जारी कार्यालय आदेश में कहा गया है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय में महिलाओं के लिंग संवेदनशीलता और यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण), विनियम, 2013 के विनियमन उपखंड 4(2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए इस समिति का गठन किया है। इससे पहले जस्टिस हिमा कोहली इस कमेटी की अध्यक्ष थीं, जो पिछले साल अक्टूबर में रिटायर हो गई थीं।

महाकुंभ मेले में पहुंचीं जया किशोरी, पवित्र संगम में लगाई डुबकी; युवाओं से की खास अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रयागराज के संगम तट पर आयोजित महाकुंभ 2025 में देशभर से आए करोड़ों श्रद्धालुओं के बीच प्रसिद्ध आध्यात्मिक वक्ता और मोटिवेशनल स्पीकर जया किशोरी ने भी पवित्र डुबकी लगाई है। उन्होंने युवाओं से महाकुंभ में शामिल होने और संगम में स्नान का अनुभव लेने की अपील की। जया किशोरी ने पहली बार संगम में अमृत स्नान करने के अपने अद्भुत अनुभव को भी शेयर किया है।

एनडीटीवी को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि यह अनुभव शांति, आनंद और आंतरिक ऊर्जा प्रदान करता है। जया किशोरी ने बताया कि स्नान से पहले उनके मन में उत्साह और घबराहट का मिला-जुला अनुभव था, लेकिन जैसे ही उन्होंने पवित्र डुबकी लगाई, उनका सारा तनाव खत्म हो गया। उन्होंने कहा, आप अंदर से शांति महसूस करते हैं। आपको एक अलग तरह की ऊर्जा महसूस होती है, जो सकारात्मक होती है। मेरा मानना है कि आज का युवा इसी शांति और ऊर्जा की तलाश में है।

जया किशोरी ने कहा कि आज का युवा स्थायी खुशी चाहता है। उन्होंने शास्त्रों में वर्णित आनंद का उदाहरण देते हुए कहा, अगर आप सच्चा आनंद चाहते हैं, तो महाकुंभ जैसे आयोजनों में शामिल हों। यह अनुभव न केवल सकारात्मक होता है बल्कि आत्मा को भी समृद्ध करता है।

13 जनवरी से शुरू हुआ महाकुंभ 26 फरवरी को समाप्त होगा। हर 12 वर्षों में आयोजित होने वाले इस महा आयोजन में संगम के पवित्र जल में स्नान करने से पापों का नाश और आत्मा की शुद्धि होती है। इस बार 45 दिनों के महाकुंभ में लगभग 45 करोड़ लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

पिछले साल अक्टूबर में जया किशोरी को 2 लाख रुपये के कस्टम डिओर बुक टोट बैग ले जाने के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था।

कंगना रनौत की इमर्जेंसी के खिलाफ अमृतसर में तनाव, पुलिस ने सिनेमाघरों को घेरा; नहीं चली फिल्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने शुक्रवार को कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' की रिलीज के खिलाफ पंजाब में कई जगहों पर सिनेमाघरों के बाहर प्रदर्शन किया, इस वजह से राज्य में ज्यादातर जगहों पर फिल्म रिलीज नहीं हो पाई। फिल्म में रनौत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभा रही हैं। यह फिल्म 1975 से 1977 तक 21 महीनों के आपातकाल के दौरान के घटनाक्रम पर केंद्रित है। राजनीतिक पृष्ठभूमि की यह फिल्म केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से प्रमाण पत्र मिलने में देरी और सिख समुदाय को गलत तरीके से पेश करने के आरोपों को लेकर विवादों में रही। फिल्म की रिलीज में कई बार देरी के बाद इसे शुक्रवार को देश भर में रिलीज किया गया। लुधियाना, अमृतसर, पटियाला और बठिंडा के कई सिनेमाघरों में फिल्म नहीं दिखाई गई। राज्य में मॉल और सिनेमाघरों के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया। अमृतसर में प्रदर्शनकारियों को काले झंडे और तख्तियां लेकर जाते देखा गया, जिन पर लिखा था 'फिल्म 'इमरजेंसी' पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए' और 'फिल्म 'इमरजेंसी' का बहिष्कार हो'। SGPC के प्रताप सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'हमने फिल्म की रिलीज रोकने के लिए केंद्र सरकार और पंजाब सरकार से बात की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।' उन्होंने कहा कि वे रिलीज रोकने के लिए इकट्ठा हुए हैं क्योंकि फिल्म पंजाब की शांति को भंग करने के लिए बनाई गई है।

उन्होंने कहा, 'सिख पात्रों को आपत्तिजनक तरीके से चित्रित किया गया है।' एसजीपीसी के एक अन्य सदस्य कुलवंत सिंह मनन ने कहा, 'रनौत भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) की सांसद हैं और एक सांसद की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण होती है। उन्हें समाज में सभी को एक साथ लाने के लिए काम करना चाहिए, लेकिन इसके बजाय वह विभाजन पैदा कर रही हैं।' मोहाली में भी इसी तरह के दृश्य देखे गए। एसजीपीसी के सदस्य राजिंदर सिंह तोहरा ने कहा, 'फिल्म पूरे सिख समुदाय का अपमान करने के लिए बनाई गई है। हम मोहाली या पंजाब में कहीं भी फिल्म को रिलीज नहीं होने देंगे। इस मामले में एसजीपीसी एकजुट है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 माघ कृष्ण पंचमी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

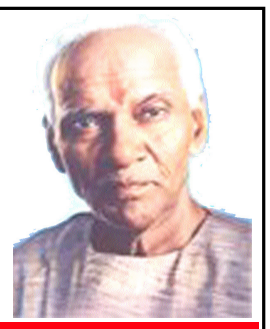

संपादकीय

भारत अपने अतीत को भविष्य में बदल देगा, यानी वह विश्वगुरु था और अब फिर बन फिर बन जाएगा..

भारतवासियों ने बड़ी उम्मीद के साथ इस नए वर्ष का स्वागत किया है। सत्ता ने उन्हें बताया है कि दुनिया में आज भारत का सानी नहीं अंतरिक्ष से लेकर अर्थव्यवस्था तक इसका डंका बज रहा है। कहा जा रहा है कि भारत अपने अतीत को भविष्य में बदल देगा। यानी वह विश्वगुरु था और अब फिर बन फिर बन जाएगा। वैसे भी अब जय जवान जय किसान से जय अनुसंधान हो गया है। देश तेजी से आत्मनिर्भर हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का महत्त्व इतना बढ़ गया है कि उसकी 7 उपेक्षा नहीं की जा जा सकती। मगर अपना प्रशस्ति गान करने के इस दंभ में कुछ चुनौतियां भी देश की अर्थव्यवस्था के सामने खड़ी हो गई हैं। ये पहले से शुरू हो गई थीं और सिवाय मंचीय भाषणों और दावों के, इन समस्याओं को हल करने का कभी गंभीर प्रयास नहीं किया गया। भूख मिटाने की गारंटी तो दे दी, लेकिन देश के बेकार हाथों को काम देने की गारंटी नहीं दी। देश को आत्मनिर्भर बनाने की बात कही गई, लेकिन उसके लिए कच्चे माल और ऊर्जा ऊर्जा स्रोतों का सृजन भारत में 7 आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया। महोत्सव के बाद हुई कि अब त्वरित गति से पूंजी निर्माण होगा। इसके साथ ही देश में बुनियादी उद्योगों की ऐसी नींव डाली जाएगी कि फुटकर उद्योगों को अपना रास्ता पकड़ने में कठिनाई नहीं होगी। दुनिया में भारत की आबादी सभी देशों से अधिक हो गई है। इस आबादी को काम देने के लिए सहकारी आंदोलन 1 को नया जीवन देने की घोषणा संसद में बार- बार होती रही। मगर अभी तक यह सहकारी आंदोलन अपने पुराने भ्रष्टाचारों के आतंक से बाहर नहीं आ सका है। बार-बार एक लाख जवानों को राजनीति में लाने की बात हुई, लेकिन नजर आया कि देश र के नाम पर परिवारवाद ही प्रोत्साहित हो रहा है। देश नौजवानों की रगों में नए में नहीं हुआ।

आज वर्ष की एक सार्थक के शुरुआत करने की बात कहनी हो, हमें देश के बुनियादी उद्योगों का सबल विकास, नींव के रूप में बनाने पर चर्चा करनी चाहिए, लेकिन पहला सवाल यही है कि बीते नवंबर में देश के आठ बुनियादी उद्योगों में उत्पादन धीमा कैसे हो गया। आधिकारिक आंकड़े कहते हैं कि यह 4.3 फीसद रहा। एक साल पहले यह 7.9 फीसद था ऐसा क्यों हुआ ? क्योंकि हमारा सपना तो दुनिया की पांचवीं आर्थिक महाशक्ति से आगे बढ़ कर तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनना है। मगर नवंबर 2024 कहता बीत गया कि कच्चे तेल गैस के उत्पादन में कमी आई है। कोयला, रिफाइनरी

और प्राकृतिक उत्पाद, उर्वरक, इस्पात और बिजली के उत्पादन में वृद्धि के बजाय कमी नजर आने लगी है। सबसे अधिक कमी कोयला उत्पादन में आई है, कोई 7.5 फीसद जबकि वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत के रूप में सौर ऊर्जा की बहुत बातें होती हैं। इसके उपयोग के लिए तैयार होने वालों के लिए कुछ प्रोत्साहन भी घोषित किए गए हैं, लेकिन इस देश में लोग आज भी कोयले को ही ताप और ऊर्जा का बड़ा साधन मानते हैं।

जब इन मूल उद्योगों के उत्पादन की ओर पिछले वर्ष के आंकड़ों को जांचते हैं, तो पाते हैं कि तुलनात्मक ढंग से आज की तुलना में तब इन सभी बुनियादी उद्योगों में विकास की गति अधिक थी। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि इस वर्ष अप्रैल-नवंबर के दौरान बुनियादी ढांचे की वृद्धि दर 4.2 फीसद रही। जबकि पिछले वित्तवर्ष में यह 8.7 फीसद थी। बुनियादी ढांचे के विकास को इतनी बड़ी ठोकर क्यों लगी ? इसका कारण है कि निवेशक और उद्योगपति अपने हर निवेश से त्वरित लाभ की आशा करते हैं, लेकिन देश का बुनियादी ढांचा तो केवल भावी उत्पादन का आधार बनता है। देश के विकास का ठोस धरातल बनता है इसलिए तत्काल लाभ न मिलने की वास्तविकता के कारण निजी निवेशक इस ओर पैसा नहीं लगाना चाहते वादे के बावजूद सरकार पूंजी निर्माण और बुनियादी उद्योगों के विकास के लिए अतिरिक्त राशि नहीं निकाल पाती।

हरिवंश राय बच्चन

हरिवंश राय बच्चन हिन्दी भाषा के प्रसिद्ध कवि और लेखक थे। इनकी प्रसिद्धि इनकी कृति मधुशाला के लिये अधिक है। हरिवंश राय बच्चन के पुत्र अमिताभ बच्चन भारतीय सिनेमा जगत के प्रसिद्ध सितारे हैं।

जीवन परिचय

27 नवंबर, 1907 को इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश में जन्मे हरिवंश राय बच्चन हिन्दू कायस्थ परिवार से संबंध रखते हैं। यह प्रताप नारायण श्रीवास्तव और सरस्वती देवी के बड़े पुत्र थे। इनको बाल्यकाल में बच्चन कहा जाता था जिसका शाब्दिक अर्थ बच्चा या संतान होता है। बाद में हरिवंश राय बच्चन इसी नाम से मशहूर हुए। 1926 में 19 वर्ष की उम्र में उनका विवाह श्यामा बच्चन से हुआ जो उस समय 14 वर्ष की थी। लेकिन 1936 में श्यामा की टी.बी के कारण मृत्यु हो गई। पाँच साल बाद 1941 में बच्चन ने पंजाब की तेज़ीसूरी से विवाह किया जो रंगमंच तथा गायन से जुड़ी हुई थीं। इसी समय उन्होंने नीड़ का पुनर्निर्माण जैसे कविताओं की रचना की। तेज़ीबच्चन से अमिताभ तथा अजिताभ दो पुत्र हुए। अमिताभ बच्चन एक प्रसिद्ध अभिनेता हैं। तेज़ीबच्चन ने हरिवंश राय बच्चन द्वारा शेक्सपीयर के अनुदित कई नाटकों में अभिनय किया है।

शिक्षा

हरिवंश राय बच्चन की शिक्षा इलाहाबाद तथा कैम्ब्रिज विश्वविद्यालयों में हुई। इन्होंने कायस्थ पाठशालाओं में पहले उर्दू की शिक्षा ली जो उस समय क़ानून की डिग्री के लिए पहला क़दम माना जाता था। इसके बाद उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से अंग्रेज़ी में एम. ए. और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से पी.एच.डी. किया।

कार्यक्षेत्र

हरिवंश राय बच्चन अनेक वर्षों तक इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अंग्रेज़ी विभाग में प्राध्यापक रहे। कुछ समय के लिए हरिवंश राय बच्चन आकाशवाणी के साहित्यिक कार्यक्रमों से सम्बद्ध रहे। फिर 1955 ई. में वह विदेश मंत्रालय में हिन्दी विशेषज्ञ होकर दिल्ली चले गये। विश्वविद्यालयों के दिनों में इन्होंने कैम्ब्रिज जाकर 1952-1954 ई. में अंग्रेज़ी कवि यीट्स पर शोध प्रबन्ध लिखा, जो काफ़ी प्रशंसित हुआ।

साहित्यिक परिचय

बच्चन की कविता के साहित्यिक महत्त्व के बारे में अनेक मत हैं। बच्चन के काव्य की विलक्षणता उनकी लोकप्रियता है। यह निस्संकोच कहा जा सकता है कि आज भी हिन्दी के ही नहीं, सारे भारत के सर्वाधिक लोकप्रिय कवियों में बच्चन का स्थान सुरक्षित है। इतने विस्तृत और विराट श्रोतावर्ग का विरले ही कवि दावा कर सकते हैं।

सर्वग्राह्य और सर्वप्रिय

बच्चन की कविता इतनी सर्वग्राह्य और सर्वप्रिय है क्योंकि बच्चन की लोकप्रियता मात्र पाठकों के स्वीकरण पर ही आधारित नहीं थी। जो कुछ मिला वह उन्हें अत्यन्त रुचिकर जान पड़ा। वे छायावाद के अतिशय सुकुमार्य और माधुर्य से, उसकी अतीन्द्रिय और अति वैयक्तिक सूक्ष्मता से, उसकी लक्षणात्मक अभिव्यंजना शैली से उकता गये थे। उर्दू की गज़लों में चमक और लचक थी, दिल पर असर करने की ताक़त थी, वह सहजता और संवेदना थी, जो पाठक या श्रोता के मुँह से बरबस यह कहलवा सकती थी कि, मैंने पाया यह कि गोया वह भी मेरे दिल में है। मगर हिन्दी कविता जनमानस और जन रुचि से बहुत दूर थी। बच्चन ने उस समय (1935 से 1940 ई. के व्यापक खिन्नता और अवसाद के युग में) मध्यवर्ग के विक्षुब्ध, वेदनाग्रस्त मन को वाणी का वरदान दिया। उन्होंने सीधी, सादी, जीवन्त भाषा और सर्वग्राह्य, गेय शैली में, छायावाद की लाक्षणिक वक्रता की जगह संवेदनासिक्त अभिधा के माध्यम से, अपनी बात कहना आरम्भ किया और हिन्दी काव्य रसिक सहसा चौंक पड़ा, क्योंकि उसने पाया यह कि वह भी उसके दिल में है। बच्चन ने प्राप्त करने के उद्देश्य से चेष्टा करके यह राह ढूँढ निकाली और अपनायी हो, यह बात नहीं है, वे अनायास ही इस राह पर आ गये। उन्होंने अनुभूति से प्रेरणा पायी थी, अनुभूति को ही काव्यात्मक अभिव्यक्ति देना उन्होंने अपना ध्येय बनाया।

पहला काव्य संग्रह

एक प्रकाशन तेरा हार पहले भी प्रकाशित हो चुका था, पर बच्चन का पहला काव्य संग्रह 1935 ई. में प्रकाशित मधुशाला से ही माना जाता है। इसके प्रकाशन के साथ ही बच्चन का नाम एक गगनभेदी रॉकेट की तरह तेज़ी से उठकर साहित्य जगत पर छा गया। मधुबाला, मधुशाला और मधुकलश- एक के बाद एक, ये तीनों संग्रह शीघ्र ही सामने आ गये हिन्दी में जिसे हालावाद कहा गया है। ये उस काव्य पद्धति के धर्म ग्रन्थ हैं। उस काव्य पद्धति के संस्थापक ही उसके एकमात्र सफल साधक भी हुए, क्योंकि जहाँ बच्चन की पैरोडी करना आसान है, वहीं उनका सच्चे अर्थ में, अनुकरण असम्भव है। अपनी सारी सहज सार्वजनीनता के बावजूद बच्चन की कविता नितान्त वैयक्तिक, आत्म-स्फूर्त और आत्मकेन्द्रित है।

प्रेरणा

बच्चन ने इस हालावाद के द्वारा व्यक्ति जीवन की सारी नीरसताओं को स्वीकार करते हुए भी उससे मुँह मोड़ने के बजाय उसका उपयोग करने की, उसकी सारी बुराइयों और कमियों के बावजूद जो कुछ मधुर और आनन्दपूर्ण होने के कारण गाह्य है, उसे अपनाने की प्रेरणा दी। उर्दू कवियों ने वाइज़ और बज़ा, मस्जिद और मज़हब, क़यामत और उक़्वा की परवाह न करके दुनिया-ए-रंगों-बू को निकटता से, बार-बार देखने, उसका आस्वादन करने का आमंत्रण दिया है। खय्याम ने वर्तमान क्षण को जानने, मानने, अपनाने और भली प्रकार इस्तेमाल करने की सीख दी है, और बच्चन के हालावाद का जीवन-दर्शन भी यही है। यह पलायनवाद नहीं है, क्योंकि इसमें वास्तविकता का अस्वीकरण नहीं है, न उससे भागने की परिकल्पना है, प्रत्युत वास्तविकता की शुष्कता को अपनी मनस्तरंग से सींचकर हरी-भरी बना देने की सशक्त प्रेरणा है। यह सत्य है कि बच्चन की इन कविताओं में रूमानियत और क़सक़ है, पर हालावाद ग़म ग़लत करने का निमंत्रण है; ग़म से घबराकर ख़ुदक़शी करने का नहीं।

सर्वोत्कृष्ट काव्योपलब्धि

अपने जीवन की इस मंज़िल में बच्चन अपने युवाकाल के आदर्शों और स्वप्नों के भग्नावशेषों के बीच से गुज़र रहे थे। पढ़ाई छोड़कर राष्ट्रीय आंदोलन में कूद पड़े थे। अब उस आंदोलन की विफलता का कड़वा घूँट पी रहे थे। एक छोटे से स्कूल में अध्यापक की नौकरी करते हुए वास्तविकता और आदर्श के बीच की गहरी खाई में डूब रहे थे। इस अभाव की दशा में पत्नी के असाध्य रोग की भयंकरता देख रहे थे, अनिवार्य विद्रोह के आतंक से त्रस्त और व्यथित थे। परिणामतः बच्चन का कवि अधिकाधिक अंतर्मुखी होता गया। इस युग और इस मूड की कविताओं के संग्रह निशा निमंत्रण (1938 ई.) तथा एकान्त संगीत बच्चन की सम्भवतः सर्वोत्कृष्ट काव्योपलब्धि हैं। वैयक्तिक, व्यावहारिक जीवन में सुधार हुआ। अच्छी नौकरी मिली, नीड़ का निर्माण फिर से करने की प्रेरणा और निमित्त की प्राप्ति हुई। बच्चन ने अपने जीवन के इस नये मोड़ पर फिर आत्म-साक्षात्कार किया, मन को समझाते हुए पूछा,

लोकप्रियता

बच्चन की कविता की लोकप्रियता का प्रधान कारण उसकी सहजता और संवेदनशील सरलता है और यह सहजता और सरल संवेदना उसकी अनुभूतिमूलक सत्यता के कारण उपलब्ध हो सकी। बच्चन ने आगे चलकर जो भी किया हो, आरम्भ में उन्होंने केवल आत्मानुभूति, आत्मसाक्षात्कार और आत्माभिव्यक्ति के बल पर काव्य की रचना की। कवि के अहं की स्फीति ही काव्य की असाधारणता और व्यापकता बन गई। समाज की अभावग्रस्त व्यथा, परिवेश का चमकता हुआ खोखलापन, नियति और व्यवस्था के आगे व्यक्ति की असहायता और बेबसी बच्चन के लिए सहज, व्यक्तिगत अनुभूति पर आधारित काव्य विषय थे। उन्होंने साहस और सत्यता के साथ सीधी-सादी भाषा और शैली में सहज ही कल्पनाशीलता और सामान्य बिम्बों से सजा-सँवार कर अपने नये गीत हिन्दी जगत को भेंट किये।

भारत के समग्र विकास को गति देने के लिए ग्रामीण भारत तैयार है, निवेशकों के लिए सुनहरा अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान देती है और आबादी के एक बड़े हिस्से को रोजगार प्रदान करती है। हालांकि अब ग्रामीण भारत कृषि-प्रधान अर्थव्यवस्था से मैन्युफैक्चरिंग और कंस्ट्रक्शन की ओर बढ़ रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है सड़क, पुल, और बिजली जैसी बेहतर बुनियादी सुविधाओं का विकास।

इसके अलावा, इंटरनेट अब गांवों तक पहुंच चुका है, साथ ही शिक्षा और चिकित्सा सुविधाएं भी लगातार बेहतर हो रही हैं। साक्षरता दर अब तक के उच्चतम स्तर पर है, और औसत प्रति व्यक्ति आय 2,000 डॉलर को पार कर चुकी है। गांवों में बढ़ती डिस्पोजेबल आय के कारण उपभोग में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है।

बता दें कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली दो-तिहाई आबादी सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 46% का योगदान करती है। साथ ही, ग्रामीण विकास के लिए लागू सरकारी योजनाओं का सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। ऐसे में, निवेश के लिए ग्रामीण भारत एक आकर्षक विकल्प बनता जा रहा है। प्रमुख कंपनियों की हालिया रिपोर्टों से यह भी स्पष्ट है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में मांग तेजी से बढ़ रही है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उच्च वृद्धि के संकेत स्पष्ट रूप से दिख रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आय और आय के स्रोतों में वृद्धि से उनकी आर्थिक क्षमता में सुधार हो रहा है। इसके अलावा, ग्रामीण व्यय में खाद्य पदार्थों का हिस्सा घटकर 46% रह गया है, जो विवेकाधीन व्यय में वृद्धि को दर्शाता है। इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए निवेशकों को भारत के ग्रामीण विकास की इस संरचनात्मक लहर का हिस्सा बनने पर विचार करना चाहिए। वे म्यूचुअल फंड स्कीम्स पर ध्यान दे सकते हैं, जो ग्रामीण भारत के अवसरों पर केंद्रित हैं।

केस्टार फाइनेंशियल सर्विसेज के मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष रायजादा का कहना है कि ग्रामीण भारत अब देश के समग्र विकास की कहानी को गति देने के लिए पूरी तरह तैयार है। यदि आप भी इस विकास का हिस्सा बनना चाहते हैं, तो ICICI Prudential Rural Opportunities Fund पर विचार कर सकते हैं, जो ICICI Prudential Mutual Fund की नवीनतम पेशकश है।

विप्रो को 3300 करोड़ रुपये से ज्यादा का मुनाफा, डिविडेंड बांटने का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज आईटी कंपनी विप्रो को चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में 3354 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट हुआ है। सालाना आधार पर आईटी कंपनी का मुनाफा 24 पर्सेंट बढ़ा है। वहीं, तिमाही आधार पर विप्रो के मुनाफे में 4.5 पर्सेंट का उछाल आया है। विप्रो का रेवेन्यू 0.5 पर्सेंट बढ़कर 22,319 करोड़ रुपये रहा है। विप्रो के शेयर शुक्रवार को BSE में 2 पर्सेंट से ज्यादा की गिरावट के साथ 281.85 रुपये पर बंद हुए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 319.95 रुपये है।

आईटी कंपनी विप्रो के बोर्ड ने हर शेयर पर 6 रुपये का अंतरिम डिविडेंड डिक्लेयर किया है। कंपनी ने अंतरिम डिविडेंड की रिकॉर्ड डेट 28 जनवरी 2025 फिक्स की है। आईटी कंपनी डिविडेंड का भुगतान 15 फरवरी या इससे पहले करेगी। विप्रो का ऑपरेटिंग मार्जिन सुधार के साथ 17.5 पर्सेंट पहुंच गया है, जो कि तीन साल में सबसे ज्यादा है। विप्रो ने दिसंबर 2024 तिमाही के दौरान 17 बड़ी डील्स हासिल कीं, इनकी टोटल कॉन्ट्रैक्ट वैल्यू 1 बिलियन डॉलर की थी। आईटी कंपनी विप्रो ने हाल में अपने शेयरहोल्डर्स को बोनस शेयर का तोहफा दिया है। कंपनी ने 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए हैं। यानी, आईटी कंपनी ने हर 1 शेयर पर 1 बोनस शेयर बांटा है। कंपनी ने इससे पहले मार्च 2019 में 1:3 के रेशियो में बोनस शेयर दिए।

ग्रामीण भारत का बदलता आर्थिक परिदृश्य: भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण निवेश अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्रामीण भारत तेजी से प्रगति कर रहा है। यह क्षेत्र अब केवल कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था नहीं है; बल्कि यह एक वाइब्रेंट, मल्टी-सेक्टर ग्रोथ इंजन के रूप में उभर रहा है। मैन्युफैक्चरिंग, कंस्ट्रक्शन, और ट्रेड जैसे क्षेत्रों ने पिछले कुछ दशकों में कृषि पर अत्यधिक निर्भरता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह विविधीकरण और बुनियादी ढांचे में हुए बड़े सुधार ग्रामीण भारत को एक उभरते हुए निवेश हॉटस्पॉट के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

लगभग 99% ग्रामीण गांव अब सड़कों, बिजली, और पुलों से जुड़े हुए हैं। मोबाइल पेनिट्रेशन और डिजिटल कनेक्टिविटी नई ऊंचाइयों पर पहुंच चुकी है, जिसने ग्रामीण भारत को शहरी बाजारों के करीब लाने और व्यवसायों के लिए नए अवसर खोलने में मदद की है। स्वास्थ्य से लेकर ई-कॉमर्स तक, विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियां ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती क्रय शक्ति और बदलते उपभोग पैटर्न का लाभ उठा रही हैं।

साक्षरता दर में सुधार और बेहतर शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के साथ, ग्रामीण भारत न केवल आकार में बढ़ रहा है, बल्कि अपनी आर्थिक क्षमता में भी वृद्धि कर रहा है। प्रति व्यक्ति आय 2,000 को पार कर चुकी है, जिससे डिस्पोजेबल आय में भारी वृद्धि हुई है और ग्रामीण खपत को बढ़ावा मिला है। परिणामस्वरूप, विवेकाधीन व्यय बढ़ रहा है। ग्रामीण व्यय में खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी घट रही है, जो यह दर्शाता है कि अब गैर-आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं पर अधिक खर्च किया जा रहा है।

यह बदलता हुआ आर्थिक परिदृश्य, आय के स्तर में लगातार वृद्धि के साथ, एक दशक पहले शहरी भारत में देखी गई प्रवृत्ति को दिखाता है, जब शहरी खपत में बड़ा उछाल आया था। आज, भारत की दो-तिहाई आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है और सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 46% का योगदान देती है।

बजट से पहले आठवें वेतन आयोग का गठन, अर्थव्यवस्था पर कितना पड़ेगा असर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के वेतन, भत्ते व पेंशन में वृद्धि करने पर अनुशंसा देने के लिए केंद्र सरकार ने गुरुवार को आठवें वेतन आयोग के गठन का फैसला किया। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आठवें वेतन आयोग के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

इस फैसले से केंद्र सरकार में कार्यरत (सैन्य बलों में कार्यरत कर्मियों समेत) 50 लाख कर्मचारियों और 65 लाख पेंशनभोगियों को लाभ होगा। इस फैसले से सरकार पर वित्तीय बोझ तो बढ़ेगा, लेकिन इसका असर देश में विभिन्न उत्पादों व सेवाओं की मांग को बढ़ाने पर भी होगा।

फैसला अहम साबित हो सकता है- अभी जिस तरह भारतीय इकोनॉमी मांग की कमी से जूझ रही है, उसे देखते हुए इसका सकारात्मक असर होगा। दिल्ली में भी चार लाख केंद्रीय कर्मचारी (सैन्य बल शामिल) हैं जो इस फैसले से फायदे में होंगे। दिल्ली चुनाव को देखते हुए यह फैसला अहम साबित हो सकता है।

मनमोहन सरकार ने गठित किया था पिछला आयोग - वेतन आयोग की सिफारिशों के बाद जब वेतन-भत्ते आदि में वृद्धि होती है तो उससे पूरी इकोनॉमी पर सकारात्मक असर होता है।

चीन, अमेरिका सब छूटेंगे पीछे; अगले वित्त वर्ष में सबसे तेज रहेगी भारत की रफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2024-25 में कुछ रफ्तार से बढ़ रही है। हालांकि, अप्रैल से शुरू हो रहे नए वित्त वर्ष में यह दोबारा तेजी से बढ़ सकती है। वर्ल्ड बैंक का अनुमान कहता है कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की इकोनॉमी 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी और ग्रोथ के मामले में सबसे टॉप पर रहेगी। वहीं, अमेरिका और चीन जैसे देशों की आर्थिक रफ्तार सुस्त पड़ेगी।

वर्ल्ड बैंक का ग्रोथ अनुमान- वर्ल्ड बैंक ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान गुरुवार को जारी किया। इसमें चालू वित्त वर्ष की विकास दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान है, जो इससे पहले 8.2 फीसदी थी। हालांकि, वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की ग्रोथ 6.7 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है।

वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, सर्विसेज सेक्टर में लगातार बढ़ोतरी की उम्मीद है। मैन्युफैक्चरिंग एक्टिविटीज भी मजबूत होंगी, क्योंकि सरकार इस सेक्टर खास फोकस कर रही है। 2026 तक के अनुमानों में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है।

चीन, अमेरिका का क्या हाल है- चीन मौजूदा कैलेंडर वर्ष में 4.5 प्रतिशत की अनुमानित वृद्धि के साथ भारत के बाद दूसरे नंबर पर है। अगले साल यह घटकर 4 फीसदी रह जाएगी। वहीं, दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका पिछले साल 2.8 फीसदी की दर से बढ़ी थी। इस साल अनुमानित वृद्धि दर घटकर 2.3 फीसदी और अगले वर्ष 2 फीसदी रह गई है।

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में व्यापार तनाव और टैरिफ वृद्धि से वैश्विक अर्थव्यवस्था को होने वाले जोखिमों के बारे में चेतावनी दी गई है। हालांकि, इसमें अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम नहीं लिया गया है, जिन्होंने विश्व व्यापार को खत्म करने की धमकी दी है।

संयुक्त राष्ट्र का अनुमान- भारत की जीडीपी वृद्धि के लिए विश्व बैंक के अनुमान पिछले सप्ताह जारी संयुक्त राष्ट्र के अनुमानों के बहुत करीब हैं। संयुक्त राष्ट्र ने मौजूदा कैलेंडर वर्ष के लिए 6.6 फीसदी और अगले साल के लिए 6.8 फीसदी विकास दर की उम्मीद जताई है।

वर्ल्ड बैंक ने भारत की विकास दर में 2023-24 के 8.2 फीसदी से चालू वित्त वर्ष में गिरकर 6.5 फीसदी तक ने के लिए निवेश में मंदी और कमजोर मैन्युफैक्चरिंग ग्रोथ को जिम्मेदार बताया है।

जनगणना के लिए सरकार ने कसी कमर, बजट में हो सकती है बड़ी घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2021 की स्थगित जनगणना को कराने की प्रक्रिया की शुरुआत 2025 से हो सकती है। इसके लिए आगामी बजट में विशेष आवंटन किया जा सकता है। 2021 की जनगणना के लिए 2019 में ही 8,754 करोड़ रुपये और नेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर (एनपीआर) को अपडेट करने के लिए 3,931 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया था।

छह साल बाद इसके लिए लगभग दोगुनी राशि की जरूरत पड़ेगी। जनगणना पूरी करने के लिए 33 लाख से अधिक जनगणना कर्मियों को प्रशिक्षित करने और उनके लिए डिजिटल उपकरण खरीदने की जरूरत पड़ेगी, ताकि वे जनगणना के आंकड़े को डिजिटल रूप में एकत्रित कर सकें। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार पहले कोरोना और फिर 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए जनगणना स्थगित करनी पड़ी थी, लेकिन सरकार ने इसे अब कराने का फैसला कर लिया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

पदोन्नति, वेतनमान, संवर्ग संबंधी विसंगति सहित कई मामले अटके, कर्मचारी आंदोलन की राह पर

भोपाल। प्रदेश में कर्मचारियों की लंबित मांगों की सुनवाई नहीं हो रही है। लंबे समय से वेतनमान, पदोन्नति और संवर्ग संबंधी विसंगति को लेकर कोई निर्णय नहीं हो पा रहा है। कर्मचारियों की सुनवाई के लिए अब तक समिति नहीं बनाई गई है। एक कर्मचारी आयोग भी बना है लेकिन वह भी कागजों पर ही सीमित होकर रह गया है। इससे कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। वे आंदोलन की राह पर चल पड़े हैं। संविदा कर्मचारियों के बाद अब मंत्रालय के अधिकारी-कर्मचारी भी चरणबद्ध आंदोलन चला रहे हैं। अतिथि शिक्षक नियुक्ति को लेकर लंबे समय से आंदोलन चला रहे हैं लेकिन अब तक कोई रास्ता नहीं निकल पाया है। यही स्थिति संविदा कर्मचारियों की भी है। वे लंबे समय से सामान्य प्रशासन,

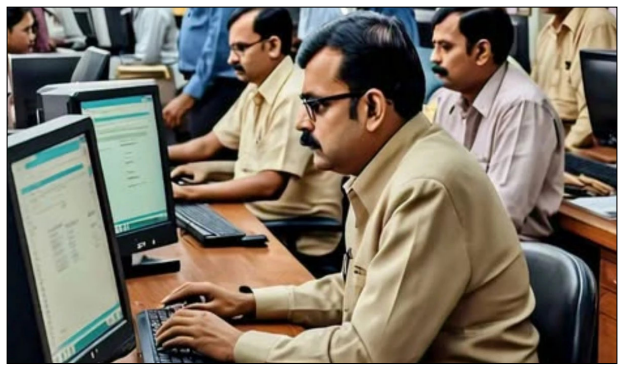

वित्त सहित अन्य विभागों को समयमान वेतनमान, क्रमोन्नति, पदोन्नति और शासकीय कर्मचारियों के तरह आवास की सुविधा की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं।

वहीं, दैनिक वेतनभोगी और स्थायी कर्मचारियों की मांग को लेकर राज्य कर्मचारी मंच चरणबद्ध आंदोलन चला रहा है। पांच वर्ष बाद मंत्रालयीन अधिकारी-कर्मचारी संघ विभिन्न मांगों को लेकर लामबंद हुआ है।क?या कहते हैं संघ के अध?यक्ष

संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक का कहना है कि सुनवाई की व्यवस्था ही बंद हो गई है। पहले कर्मचारी कल्याण समिति हुआ करती थी, जिसके सामने कर्मचारी अपनी मांग रखते थे और वह शासन तक बात पहुंचा देती थी। कमल नाथ सरकार में कर्मचारी आयोग बनाया गया।

इसके कर्ताधर्ताओं ने पूरे कार्यकाल में किसी कर्मचारी संगठन से भेंट ही नहीं की। शासन में हर स्तर पर ज्ञापन दिए जा चुके हैं। अब स्थिति यह हो गई है कि पदोन्नति और समयमान वेतनमान देना तो दूर कर्मचारियों के हितों पर कुठाराघात करने की तैयारी की जा रही है।

वहीं, कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे और संविदा अधिकारी-कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष रमेश राठौर का कहना है कि हम लगातार सरकार का ध्यान कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं की ओर आकर्षित कर रहे हैं। यदि हमारी न्यायोचित मांगों की पूर्ति नहीं होती है तो फिर प्रदेशव्यापी बड़ा आंदोलन खड़ा किया जाएगा।

धार में कुत्ते ने दो घंटे में 31 लोगों को काटा, अस्पताल में लगी टीका लगवाने वालों की कतार

धार। शहर में शुक्रवार सुबह एक कुत्ते ने दो घंटे तक आतंक मचाया। इस दौरान कुत्ते ने 31 लोगों को घायल कर दिया। कुत्ते ने चार से पांच इलाकों में लोगों को काटा। इसके बाद जिला अस्पताल में एंटी रैबीज का टीका लगवाने वालों की कतार लग गई।

घटना सुबह करीब साढ़े आठ बजे शुरू हुई। घायल हुए लोगों में बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं शामिल हैं। लोगों ने नगर पालिका के अधिकारियों से कुत्तों की बढ़ती संख्या पर रोक लगाने की मांग की। नगर पालिका ने बेहसारा कुत्तों को लेकर लोगों से अपील की वे कुत्तों से सतर्क रहें और आक्रामक कुत्तों की सूचना तुरंत नगर पालिका को दें।शिकायत के बाद भी श्वानों को नहीं पकड़ा बता दें कि शहर में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इससे स्थानीय लोगों में डर और गुस्सा है। आज गुलमोहर कालोनी, इस्लामपुरा, इंद्राकालोनी, इमलीवन और भाजी बाजार जैसे इलाकों में कुत्ते ने लोगों को काटकर घायल किया।

मध्य प्रदेश में 9वीं व 11वीं की वार्षिक परीक्षा के लिए राज्य स्तर पर तैयार होंगे प्रश्नपत्र

भोपाल। प्रदेश के सरकारी स्कूलों की नौवीं व 11वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाएं तीन फरवरी से शुरू होंगी। नौवीं की परीक्षा पांच से 22 फरवरी तक सुबह 10 से दोपहर एक बजे तक होंगी।

वहीं 11वीं की परीक्षा तीन से 22 फरवरी तक दोपहर दो से शाम पांच बजे तक संचालित होंगी।,भोपाल। प्रदेश के सरकारी स्कूलों की नौवीं व 11वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाएं तीन फरवरी से शुरू होंगी। नौवीं की परीक्षा पांच से 22 फरवरी तक सुबह 10 से दोपहर एक बजे तक होंगी।

वहीं 11वीं की परीक्षा तीन से 22 फरवरी तक दोपहर दो से शाम पांच बजे तक संचालित होंगी।

डीपीआई ने प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर परीक्षा आयोजित करने की जिम्मेदारी मप्र राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा परिषद को दी गई है। इस परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र राज्य स्तर पर तैयार किए जाएंगे।वहां से जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से स्कूलों तक पहुंचेंगे।

शेष प्रश्न पत्र आवश्यकतानुसार माध्यमवार जिला स्तर पर जिला शिक्षा अधिकारी अपने निर्देशन में प्राचार्य जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालय के माध्यम से विषय शिक्षक द्वारा तैयार कराए जाएंगे।यह प्रश्नपत्र तैयार करने में ऐसे शिक्षकों को प्राथमिकता दी गई, जिन्हें माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा प्रश्नपत्र निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया है।बता दें, कि दोनों कक्षाओं के करीब 18 लाख विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

ब्लड कैंसर की चपेट में आ रहे मासूम बच्चे, कई हाई रिस्क मेंऽ जबलपुर के एससीआई की रिपोर्ट

जबलपुर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज जबलपुर के स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (एससीआई) में पिछले एक साल के दौरान 180 कैंसर पीड़ित बच्चे भर्ती हुए। इनमें सर्वाधिक ब्लड कैंसर पीड़ित रहे।

करीब 51 प्रतिशत यानी 92 बच्चों में ब्लड कैंसर पाया गया। इसमें कुछ तो हाईरिस्क में आए, लेकिन बेहतर उपचार के चलते गंभीर खतरे से बचाव संभव हो पाया। साथ ही शेष बच्चों में अन्य तरह के कैंसर की पहचान हुई। कुछ बच्चों में एडवांस डिजीज के केस देखने को मिले, जिसमें न्यूरोब्लास्टोमा ट्यूमर प्रमुख है। स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में न सिर्फ महाकोशल, बल्कि मध्य भारत के तमाम जिलों से कैंसर के मरीज उपचार कराने पहुंचते हैं। यहां उन्हें निशुल्क उपचार का लाभ प्राप्त हो रहा है।ज्यादातर बच्चे गंभीर स्थिति में पहुंच रहे एससीआई के पास आने वाले ज्यादातर कैंसर पीड़ित बच्चे उन परिस्थितियों में पहुंचते हैं, जबकि वे गंभीर हालात से गुजर रहे होते हैं। उससे पहले इन कैंसर पीड़ित बच्चों को लेकर उनके स्वजन स्थानीय अस्पतालों में उपचार को पहुंचते हैं।

केस बिगड़ने की सूरत में फिर एससीआई तक पहुंच पाते हैं।

अनेक केसेस में देरी की संभावना प्रबल होती है। एससीआई की ओपीडी में हर दिन 300 से अधिक मरीज उपचार को आते हैं।

इनमें बड़ी उम्र के कई मामले में स्टेज एक या दो का कैंसर के लक्षण जांच में सामने आते हैं। इस स्टेज में मरीज को ठीक करना ज्यादा आसान होता है।ब्लड कैंसर की कोई स्टेज नहीं होती

एससीआई के पास बीते साल 2024 में 180 कैंसर से पीड़ित बच्चों को लेकर उनके स्वजन पहुंचे। इनमें 92 बच्चों में ब्लड कैंसर की पहचान हुई। इसके अलावा एडवांस डिजीज, ब्रेन ट्यूमर व अन्य तरह के कैंसर पीड़ित बच्चे भी थे।

एससीआई में बीते साल छह माह से लेकर 19 साल तक के बच्चे उपचार को पहुंचे थे। महत्वपूर्ण है कि ब्लड कैंसर एक ऐसी डिसीज है जिसकी कोई स्टेज नहीं होती। यह हाई रिस्क या फिर रिस्क से बाहर होना प्रमुख है।

नमामी को ब्लड कैंसर के साथ दिल में छेद भी

सागर के डेढ़ साल के नमामी को ब्लड कैंसर के साथ दिल में छेद भी है। छेद के कारण उसे सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। काफी जगह इलाज के बाद स्वजन इसे लेकर स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट पहुंचे। तब वह हाई रिस्क में था, लेकिन छह माह के नियमित उपचार से डॉक्टरों ने इसे हाई रिक्स से बाहर ले आए हैं।

दिलचस्प है कि नमामी के माता-पिता और वंश में भी आज तक किसी को इसी तरह की बीमारी नहीं थी। नमामी अपने हम उम्र के बच्चों के लिए एक उदाहरण है कि गंभीर रोग से ग्रसित होने के बाद वह धीरे-धीरे स्वस्थ हो रहा है और डॉक्टर व नर्स स्टाफ को भी उपचार में सहयोग कर रहा है।

एडवांस कैंसर डिजीज से ग्रस्त तनु को टारगेटेड थेरेपी से उपचार

रीवा की तनु (दो वर्ष) जब उपचार के लिए स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट लाई गई थी तो एक एडवांस कैंसर डिजीज से ग्रस्त थी। इसे टारगेटेड थेरेपी दी गई, जो अब हाई रिस्क से बाहर आ चुकी है। तनु के केस में कीमोथेरेपी नहीं दी गई।

तनु के केस में भी स्वजन पहले रीवा में उपचार कराते रहे। बाद में नागपुर, भोपाल भी उसे उपचार के लिए ले गए, लेकिन असल में उसके रोग की पहचान ही नहीं हो पा रही थी। बाद में स्वजन तनु को स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट लेकर आए। लगभग चार माह के निरंतर उपचार से डाक्टरों ने उसे हाईरिस्क से बाहर लाने में सफलता पाई। वह पूर्व के मुकाबले बेहतर है।

संभागायुक्त और आईजी ने महेश्वर में आयोजित केबिनेट बैठक को लेकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया

इंदौर। लोकमाता अहिल्या बाई की 300वीं जन्म जयंती के अवसर पर खरगोन जिले के धार्मिक एवं पर्यटन नगरी महेश्वर में 24 जनवरी को केबिनेट बैठक का आयोजन होना है। इस बैठक के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही है। इसी सिलसिले में संभागायुक्त श्री दीपक सिंह एवं पुलिस महानिरीक्षक श्री अनुराग ने आज महेश्वर में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक कर चर्चा की और केबिनेट के भ्रमण एवं बैठक स्थल तथा मण्डलेश्वर के कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। बैठक में विधायक श्री राजकुमार मेव, डीआईजी श्री सिद्धार्थ बहुगुणा, कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा, पुलिस अधीक्षक श्री धर्मराज मीणा, संयुक्त कलेक्टर श्री सत्यनारायण दर्रो एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में बताया गया कि केबिनेट बैठक के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मंत्री मण्डल के सदस्य महेश्वर पहुंचेंगे। इस बैठक के लिए मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी खरगोन पहुंचेंगे। केबिनेट बैठक से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मंत्री मण्डल के सदस्य महेश्वर किले में पहुंचकर राजगादी और देवी अहिल्या की प्रतिमा का दर्शन करेंगे। इसके पश्चात अहिल्या घाट पहुंचकर मॉ नर्मदा की पूजा अर्चना की जाएगी और मॉ नर्मदा को चुनरी अर्पण किया जाएगा। इसके पश्चात मुख्यमंत्री एवं मंत्री मण्डल के सदस्य केबिनेट बैठक के लिए अहिल्या घाट से जयस्तंभ चौक होते हुए एम.पी.टी. के होटल नर्मदा रिट्रिट पहुंचेंगे। केबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मण्डलेश्वर में विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे तथा जनसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मण्डलेश्वर में माधव आश्रम न्यास गौशाला भी जाएंगे।

महेश्वर जानापाव उद्वहन सिंचाई योजना का होगा शिलान्यास- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 24 जनवरी को मण्डलेश्वर में आयोजित कार्यक्रम में 774 करोड़ रुपये की महेश्वर जानापाव उद्वहन सिंचाई योजना का शिलान्यास करेंगे। इस योजना से खरगोन जिले के महेश्वर क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा और किसानों को लाभ होगा। इस योजना से धार एवं इंदौर जिले के किसानों को भी सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। यह योजना खरगोन जिले के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इस योजना से खरगोन जिले की महेश्वर तहसील, इंदौर जिले की महू तहसील एवं धार जिले की पीथमपुर तहसील के कुल 123 गांवों में सिंचाई के लिए नर्मदा नदी का पानी पहुंचेगा।

बैठक में केबिनेट बैठक के लिए मंत्रीगणों के आगमन, सुरक्षा, वाहन पार्किंग, ठहरने की व्यवस्था आदि पर विस्तार से चर्चा की गई और तय किया गया कि सभी कार्यक्रम निर्धारित समय के अनुसार संपन्न हो। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि अहिल्या घाट पर नियमित रूप से साफ-सफाई की जाए और उसे स्वच्छ बनाएं रखा जाए। जिस समय मुख्यमंत्री एवं मंत्री मण्डल के सदस्य अहिल्या घाट पहुंचेंगे, उस समय किले एवं घाट पर आमजन का आना रोक दिया जाए। मुख्यमंत्री एवं मंत्री मण्डल के सदस्य जिस मार्ग से गुजरेंगे उस पर सुगम यातायात की व्यवस्था की जाए। महेश्वर में इस गौरवपूर्ण आयोजन को देखते हुए आमजन भी इससे उत्साहित हो, इसके लिए मंत्री मण्डल सदस्यों के गुजरने वाले रास्ते पर नागरिक सजावट आदि करें।

सीएम राइज स्कूल के नए भवन के लिये 100 करोड़ रुपये मंजूर

इंदौर। इंदौर जिले में शिक्षा सुविधाओं को विस्तारित करने और सुदृढ़ बनाने के लिये सीएम राइज स्कूल योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिले में चयनित सीएम राइज स्कूलों के नए भवन भी बनाये जा रहे है। इसी क्रम में हाल ही में राज्य शासन द्वारा सीएम राइज स्कूल के तहत चयनित शासकीय अहिल्याश्रम कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 के नए भवन के लिये 100 करोड़ रूपये मंजूर किये गये है। इस राशि से नया भवन 5 मंजिला बनाया जायेगा। नया भवन बनाने की मंजूरी की सूचना मिलने पर यहां अध्ययनरत छात्राओं में भारी उत्साह देखा गया। छात्राओं ने अपनी खुशी नाच गाकर व्यक्त की। उन्होंने परम्परागत नृत्य और गरबा सामुहिक रूप से किया। स्कूल के प्राचार्य श्री दीपक हलवे ने बताया कि सीएम राइज योजना अंतर्गत पांच मंजिला नया भवन राज्य शासन द्वारा स्वीकृत किया गया है। नया भवन बनने से अन्य सुविधाएं भी मिलेंगी। विद्यालय के हर कोने में वाई फाई उपलब्ध रहेगा।

यूका कचरे के निष्पादन के संबंध में विभिन्न औद्योगिक इकाईयों में आयोजित किए जा रहे है जनसंवाद

इंदौर। धार जिला कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के निर्देश पर पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के कचरे के निष्पादन के लिए की जाने वाली कार्यवाहियों पर प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्सों की टीमों द्वारा पीथमपुर की विभिन्न औद्योगिक इकाईयों में पहुंचकर लोगों से जनसंवाद किया जा रहा है।

पीथमपुर नगर पालिका के सीएमओ श्री निशिकांत शुक्ला ने बताया कि टीमों द्वारा जनसंवाद कार्यक्रम में लोगों में यूका कचरे के संबंध में उत्पन्न हो रही विभिन्न भ्रांतियों को दूर किया जा रहा है। प्रशिक्षित टीमों द्वारा जनसंवाद कार्यक्रम में लोगों द्वारा पूछे जा रहे विभिन्न प्रश्नों का उत्तर सरलतापूर्वक देकर उन्हें समझाया भी जा रहा है। साथ ही ईकाइयों के एचआर, कर्मचारियों और मजदूरों से अपील भी की जा रही है कि वह भी अन्य लोगों को यूका कचरे के निष्पादन के बारे में सही जानकारियां उपलब्ध कराएं।

कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा द्वारा यूनियन कार्बाइड के कचरे के निष्पादन के लिए गठित टीमों में कंपनियों के एचआर, जिला अधिकारी, प्रोफेसर और पटवारी शामिल हैं। गठित टीमों द्वारा अब तक महिंद्रा मोटर्स, आयशर मोटर्स, प्रतिभा सिन्थेटिक्स, ईप्फका, एसआरएफ औद्योगिक इकाइयां तथा बुधवार को मोयरा स्टील, एंड्राफब, शक्ति पंप, मायॅलान और फ्लेक्सिटफ औद्योगिक ईकाइयों में जनसंवाद करने पहुंची।

इसी प्रकार उक्त दलों द्वारा आज नगर पालिका परिषद् पीथमपुर के परिषद् हाल में सी.एम.ओ. श्री निशिकान्तु शुक्ला, श्री जयेश प्रतापसिंह, तहसीलदार एवं गठित दल के द्वारा नगर पालिका परिषद् के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं पार्षदगणों को यूनियन कार्बाइड कचरे को पीथमपुर में निष्पादन के संबंध में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा समस्त परिषद सदस्यों की भ्रांतियों को दूर किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा इंदौर संभाग की चार इकाईयों का वर्चुअली किया गया लोकार्पण/भूमि पूजन

इंदौर। शहडोल में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव-2025 के अन्तर्गत आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा इंदौर संभाग की एक इकाई का लोकार्पण एवं तीन इकाइयों का वर्चुअली भूमि पूजन किया गया। उक्त इकाईयों के वर्चुअल लोकार्पण एवं भूमि पूजन हेतु स्थानीय कार्यक्रम निर्यात भवन, एस.ई. झेड़-फेस-2 पीथमपुर में आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री जी द्वारा इकाइयों के प्रतिनिधियों से इकाईयों के निवेश, रोजगार एवं उत्पाद के संबंध में विस्तृत चर्चा की एवं भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं प्रदान की। स्थानीय कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर धार श्री प्रियंक मिश्रा द्वारा की गई। कार्यक्रम की मेजबानी कार्यकारी संचालक एम.पी.आई.डी.सी. श्री राजेश राठौड द्वारा की गई। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन एवं एम.पी.आई.डी.सी. के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा द्वारा अपने संबोधन में इकाइयों के प्रतिनिधियों को बधाई दी। साथ ही जिले में हो रहे नवीन विकास जैसे कि पी.एम. मित्रा पार्क, मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क, औद्योगिक क्षेत्र तिलगारा एवं अन्य विकास कार्यों के बारे में अवगत कराया गया।

इंदौर जिले के युवा करेंगे फसलों का डिजिटल रूप से सर्वेक्षण

इंदौर। इंदौर जिले में राज्य शासन द्वारा दिये गए दिशा निर्देशानुसार फसलों की गिरदावरी के लिए अब युवाओं को भी जोड़ा जायेगा। इसके लिए इच्छुक युवाओं से ऑनलाइन आवेदन मंगाये गये है। फसलों की मध्यप्रदेश भू अभिलेख नियमावली के अनुसार फसल गिरदावरी कार्य वर्ष में 03 बार (मौसम खरीफ/रबी/जायद) में सारा एप के माध्यम से की जाती है। जिसका उपयोग उपार्जन, फसल बीमा आदि योजनाओं में सतत् रूप से किया जाता है। फसल गिरदावरी कार्य में पारदर्शिता लाने हेतु भारत सरकार द्वारा डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य प्रारंभ किया गया है। यह प्रत्येक मौसम हेतु लगभग 45 दिन की कार्यवाही होती है। जिसमें जिओ फेंस (पार्सल लेवल) तकनीक के माध्यम से खेत में बोई गई फसल का फोटो खींचकर फसल सर्वेक्षण का कार्य नियत अंतराल में पूर्ण किया जाएगा। इस योजना में मौसम रबी 2024-25 डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण हेतु सर्वेयर पंजीयन किए जा रहे है। उक्त कार्य हेतु ग्राम के स्थानीय युवा/निकटतम ग्राम पंचायत के निवासी जिनकी आयु 18 वर्ष से 40 वर्ष के मध्य हो MPBHULEKH पोर्टल पर पंजीयन के लिए पात्र है।

विश्व ब्राह्मण समाज संघ की परिकल्पना, 101 प्रतिभाओ का 'अटल गौरव सम्मान' अलंकृरण समारोह आज

इंदौर। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई की स्मृति में विश्व ब्राह्मण समाज संघ द्वारा प्रतिवर्ष अटल गौरव सम्मान समारोह आयोजित किया जाता रहा है। इस वर्ष भी देश की ख्यात विभिन्न 101 प्रतिभाओं को 18 जनवरी को इस सम्मान से अलंकृत किया जाएगा। यह सम्मान समारोह इंदौर के जाल सभागृह में आयोजित होगा।

विश्व ब्राह्मण समाज संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष , पूर्व राज्यमंत्री दर्जा पंडित योगेंद्र महंत ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है।आयोजन को सुचारु बनाने के लिएलिए केंद्रीय पदाधिकारियों की बैठक यशवंत निवास रोड इंदौर स्थित मुख्यालय भवन 302 रॉयल डायमंड पर हुई , जिसमें 50 से ज्यादा पदाधिकारी को अलग-अलग दायित्व दिए गए हैं, आगंतुकों के निवास, अतिथि सत्कार, भोजन मंच व्यवस्था, पार्किंग , सल्पाहार, बैठक व्यवस्था, मंच संचालन आदि अलग-अलग दायित्व सौंपे गएहैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष पं.योगेंद्र महंत ने बताया कि इस बार राष्ट्रीय स्तर पर 'अटल रत्न राष्ट्रीय सम्मान 2024' और 'अटल गौरव राज्य स्तरीय सम्मान' दो अलग-अलग कैटेगरी में दिया जाएंगे।

एनपीएस अंतर्गत गुम हुए कटौत्रे की राशि अपने प्रान खाते में जमा करवाने का सुनहरा अवसर

इंदौर। राज्य शासन द्वारा शासकीय सेवकों के एनपीएस अंतर्गत गुम हुए कटौत्रे की राशि को अपने प्रान खाते में जमा करवाने का एक और अवसर दिया जा रहा है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा इंदौर जिले के समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने कार्यालयों में ऐसे एनपीएस शासकीय सेवक, जो मध्यप्रदेश शासन की सेवा में रहते हुए प्रतिनियुक्ति पर अन्य कार्यालयों में सेवारत हैं तथा जिनका एनपीएस का कटौत्रा चालान के माध्यम से जमा किया जाता है, परंतु जमा की गई राशि संबंधित शासकीय सेवक के प्रान खाते में प्रदर्शित नहीं हो रही है, ऐसे जमा किये गये चालानों की जानकारी निर्धारित प्रारूप में तीन दिवस में कोषालय कार्यालय इंदौर में उपलब्ध करायें।

जिला कोषालय अधिकारी सुश्री मोनिका कटारे ने बताया कि एनपीएस अन्तर्गत शासकीय सेवकों का प्रतिमाह वेतन से निर्धारित राशि प्रान खाते में जमा होता है। परंतु प्रतिनियुक्ति पर अन्य कार्यालयों में सेवारत शासकीय कर्मचारियों का एनपीएस का कटौत्रा चालान के माध्यम से जमा किया जाता है।

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

मुख्यमंत्री जन कल्याण शिविर के माध्यम से सामाजिक सरोकार के कार्यों को जनता के बीच लाकर लाभ पहुंचाया जा रहा है - निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव

उज्जैन। मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान शिविर के अंतर्गत शुक्रवार को वार्ड क्रमांक 20 स्थित ओसवाल जैन धर्मशाला एवं वार्ड क्रमांक 51 विजयवर्गीय धर्मशाला पर शिविर आयोजित किया गया।

वार्ड क्रमांक 51 में आयोजित शिविर निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव के मुख्य आतिथ्य एवं भाजपा नगर अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती आशिमा गौरव सेंगर की उपस्थिति में आयोजित हुआ।

निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव द्वारा शिविर में उपस्थित नागरिकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर सामाजिक सरोकार के कार्यों को जनता से सीधे प्रत्यक्ष रूप से जोड़ता है सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना ही इन शिविरों का लक्ष्य है जब मध्य प्रदेश

के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव विधायक थे तभी से आपका विधायक आपके द्वार के माध्यम से आप सभी नागरिकों एवं हितग्राहियों के बीच पहुंचकर नागरिकों की समस्याओं का समाधान करते थे इसीलिए आज भी जब वह मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री है तो उज्जैन शहर के नागरिकों एवं हितग्राहियों की चिंता लेते हुए यह शिविर आपके बीच लाए हैं, विकसित एवं आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश बनाने के लिए आपके मुख्यमंत्री लगातार चहूं और विकास करते हुए कार्य कर रहे हैं इसलिए इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ लिया जाए।

इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 20 में शिविर का आयोजन क्षेत्रीय पार्षद एवं एमआईसी सदस्य श्री प्रकाश शर्मा की उपस्थिति में आयोजित हुआ। शिविर में शासन की योजनाओं के लाभ एवं नामांतरण के स्वीकृति पत्र हितग्राहियों को वितरित किए गए।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष श्री परेश कुलकर्णी, श्री अजय तिवारी, नगर उपाध्यक्ष श्री मुकेश यादव, श्री जगदीश पांचाल, उपायुक्त श्रीमती आरती खेडेकर, सर्वश्री हितेश नागदेव, पवन पांडे, राजकुमार बंसीवाल, मुकेश शर्मा, सुनील विजयवर्गीय, सचिन गौसर, श्रीमती प्रतीक्षा षर्मा एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे

सोमवार को आयोजित शिविर

सोमवार दिनांक 20 जनवरी 2025 को मुख्यमंत्री जन कल्याण शिविर के तहत जोन क्रमांक 01 वार्ड क्रमांक 15 अटल उद्यान गीता कॉलोनी एवं जोन क्रमांक 04 वार्ड क्रमांक 37 विष्णुपुरा सामुदायिक भवन पर शिविर आयोजित होगा।

सामाजिक न्याय विभाग प्रमुख सचिव पहुंची सेवाधाम

उज्जैन। मैं उज्जैन आई तो मुझे अंकितग्राम, आश्रम में आने का मौका मिला मैंने सुधीर भाई द्वारा स्थापित सेवा के तीर्थ सेवाधाम आश्रम की सेवा देखने की मिली। यहां दिव्यांग, बच्चे, युवा एवं बुजूर्ग के साथ भिक्षावृत्ति से मुक्त होने वाले सभी प्रकार के लोगो की अच्छी देखभाल की व्यवस्था की है और महत्वपूर्ण बात यह है कि शासन से किसी भी प्रकार से अनुदान प्राप्त नही करते है लेकिन सुधीर भाई के साथ यहां सभी में पूर्ण सेवा भाव देखने को मिलता है, यह बहुत ही सराहनीय है और इसलिए मैं यह सेवा प्रकल्प देखने के लिए आई और हम इस सेवा तीर्थ से क्या सीख सकते है यह बहुत ही महत्वपूर्ण है। यहां पर आकर बहुत ही अच्छा लगा उक्त विचार श्रीमती सोनाली पोक्षे बायंगणकर, प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग भोपाल मध्यप्रदेश ने व्यक्त किए।

आश्रम संस्थापक सुधीर भाई ने बताया कि उज्जैन प्रवास पर रहते हुए प्रमुख सचिव श्रीमती सोनाली ने आश्रम में निवासरत 1100 से अधिक बच्चों, युवाओं और बुजुर्गो से आत्मीय मुलाकात कर उनके जीवन और आश्रम की दिनचर्या के बारे में जाना एवं सदुरू स्वाध्याय मंदिर में आरध्य गुरूदेव स्वामी रणछोड़दासजी महाराज के चित्र समक्ष विकास दीप प्रज्वलित कर गौ सेवा की। आश्रम में सचांलित विविध प्रकल्प आनन्द करूणालय, अवेदना केन्द्र, फिजियोथैरेपी विभाग, सत्यवती महिला प्रकल्प, प्रेमाश्रय सहित विविध नवीन निर्माण कार्यो का अवलोकन किया। इस अवसर पर सुश्री जयति सिंह मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उज्जैन, सतीश कुमार सौलंकी संयुक्त संचालक सामजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण उज्जैन संभाग उज्जैन एवं अनिल शर्मा समग्र संयाजोक सामाजिक न्याय विभाग उज्जैन उपस्थित रहे। श्रीमती कांता भाभी, मोनिका दीदी एवं गोरी दीदी के नेतृत्व में माँ शारदा बालिका गृह की विशेष बालिकाओं द्वारा एडवांस योग का प्रदर्शन किया जिसे काफी सराहा।

प्रयागराज में अपनी आवाज का जादू बिखेर रहा उज्जैयिनी का बेटा पं. मयंक शुक्ला

उज्जैन। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैयिनी के युवा उद्घोषक पं. मयंक शुक्ला तीर्थराज प्रयाग में आयोजित महाकुंभ का डीडी नेशनल दूरदर्शन के माध्यम से अमृत स्नान के सीधे प्रसारण में अपनी आवाज का जादू बिखेर रहे हैं। उज्जैन जगत के लिए यह गौरव का विषय है। उनकी इस उपलब्धि पर संपूर्ण कला जगत, वरिष्ठ उद्घोषकों एवं अचीवर्स परिवार के सदस्यों ने बधाई प्रेषित की है।

मार्गो की चौड़ाई को कम करके ही सड़कों का हो चौडीकरण

उज्जैन। शहर में चारों ओर लगभग 10 मार्गो को चोड़ा करने हेतु चर्चा है और लगभग 6 मार्गों के संबंध में शासन स्तर पर स्वीकृति प्राप्त कर ली गई है, नगर विकास योजना में उक्त मार्गों की चौड़ाई 50 फिट, 60 फीट, 80 फीट तक है शहर के मध्य में पुरानी आबादी पुराने शहर में अगर इतने बड़े मार्ग चोड़ें मार्ग बनाए जाएंगे तो नगर के नागरिकों का बड़ी मात्रा में उनके भवन, दुकानों, आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्र में बड़ा नुकसान होगा। कई भवन स्वामी तो बेघर होने की संभावना भी है।

शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश भाटी, नेता प्रतिपक्ष नगर निगम रवि राय ने शासन प्रशासन और नगर के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया है कि शहर के नागरिकों के हितों का ध्यान रखते हुए उनके द्वारा की जा रही मांग अनुरूप मार्गो की चौड़ाई को कम करके ही सड़कों का चौडीकरण कार्य किया जाए। इस पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। सिंहस्थ 2028 को देखते हुए मार्गों को चौड़ा किया जा रहा है जो मात्र दो माह की अवधि के लिए ही होगा। सिंहस्थ क्षेत्र नगर के बाहर है उन्ही मार्गों को चौड़ा किया जावे और साधु संतों के रहवासी केंप क्षेत्र में बनाई जाने वाली योजना में मार्गों को और अधिक चौड़ा किया जा सकता है।

मुकेश भाटी एवं रवि राय ने कहा कि शहर के नागरिक को भी नगर निगम अधिनियम अनुसार मुआवजा देने का प्रावधान किया जावे, उन्हें भी मुआवजा दिया जावे। वर्तमान में जिस प्रकार महाकाल योजना में खाली कराए गए भवनों के स्वामियों को स्थान एवं मुआवजा दिया गया है इस प्रकार शहर के अन्य मार्गों के रहवासियों को भी मुआवजा दिया जावे।

मुकेश भाटी और रवि राय ने कहा कि विधायक, महापौर और सांसद को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री को नागरिकों की उक्त मांग से अवगत कराना चाहिए और शासन स्तर पर मार्गो को जो मास्टर प्लान में प्रस्तावित चोड़ाई को कम करने के संबंध में विचार किया जाना चाहिए।

रावण दहन पूर्ण रूप से बंद हो, रावण दहन के नाम पर हो रहा ब्राह्मणों का अपमान

उज्जैन। अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज और श्री परशुराम पारमार्थिक सेवा न्यास की संयुक्त बैठक चाणक्यपुरी स्थित श्री परशुराम मंदिर पर संपन्न हुई।

बैठक की अध्यक्षता महेश पुजारी ने की। बैठक में परशुराम पारमार्थिक सेवा न्यास ओर युवा ब्राह्मण समाज द्वारा किए गए कार्यो की समीक्षा की गई। ट्रस्ट द्वारा शीघ्र ही ब्राह्मण बालकों के लिए वैदिक गुरुकुल शुरू किया जाएगा। जिसमें उन्हें वैदिक शिक्षा के साथ टेक्निकल और वर्तमान में प्रचलित शिक्षा भी दी जाएगी। साथ ही श्री परशुराम मंदिर के निर्माण कार्य में गति के साथ ट्रस्ट के नए कार्यो को ज्यादा गति और ऊर्जा के साथ करने का संकल्प लिया। यह बताते हुए युवा ब्राह्मण समाज अध्यक्ष अर्पित पुजारी ने बताया कि बैठक में मुख्य प्रस्ताव रावण दहन को

रोकने का रहा, जिसे उपस्थित सभी ब्राह्मणों ने एक आवाज ओर मत से पारित किया क्योंकि रावण दहन के नाम से जो ब्राह्मणों का अपमान किया जा रहा है वह उचित नहीं हैं रावण दहन पूर्ण रूप से बंद होना चाहिए। आगामी समय में शीघ्र ही रावण दहन इसे रोकने की कार्य योजना के अंतर्गत नगर में सभी रावण दहन समितियों को पत्र लिखकर इसे रोकने का अनुरोध किया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर विरोध प्रदर्शन ओर आंदोलन भी किए जा सकते हैं।

इस अवसर पर मुख्य रूप से भगवान शर्मा, राम पुजारी, रूपेश मेहता, राकेश जोशी, सुरेश शर्मा, श्रीवर्धन शास्त्री, धनीराम तिवारी, महेंद्र सिंह बेस, रमेश वाधवानी, अमन त्रिवेदी, जितेंद्र मेहता, किशन पांडे, राम शर्मा, आशीष ठक्कर, संदीप आचार्य, राहुल जोशी, सुधीर दुबे, शैलेंद्र नागर, अश्विन मेहता, नीरज दुबे, योगेश चंद्र पंड्या, शुभम त्रिवेदी, अमन त्रिवेदी, बिट्टू गोस्वामी, अनिल मिश्रा, नरेंद्र मेहता, चेतन बैरागी, कुलदीप व्यास, मनोज व्यास, हरिओम शर्मा, संदीप आचार्य, अरुण शर्मा, हिमांशु शर्मा, संजू शर्मा, गिरिराज शर्मा, भोजराज शर्मा, प्रमोद शर्मा, राम शर्मा, यश शर्मा, अनिल मिश्रा, शांतिलाल व्यास, नरेंद्र मेहता, आशीष शर्मा, दिनेश शर्मा, चेतन बैरागी, राज भट्ट, कृष्णा पांडे, राहुल शर्मा, राजेश शर्मा, ओम जोशी आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

छात्राओं ने मनाया संक्रांति पर्व

उज्जैन। शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय उज्जैन के चित्रकला विभाग में स्नातकोत्तर की छात्राओं द्वारा संक्रांति पर्व मनाया गया।

डॉ. मंजू तिवारी द्वारा सबको तिल गुड़ वितरित किया गया। संस्था प्रमुख प्राचार्य डॉ. हेमंत गेहलोत, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. दिनेश खंडेलवाल, महाविद्यालय परिवार से श्रीमति ज्योति, निर्मला, पवित्रा, तारा, बबीता, विभागाध्यक्ष डॉ. रंजना वानखड़े, अतिथि विद्वान डॉ. विक्रांत शाह, डॉ. सोनाली टोके, पीएचडी शोधार्थी हरिश नामदेव व परिवार के अन्य सदस्य की उपस्थिति रही।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com